अखंड राष्ट्रवादी
श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक के लिए लड़ने वाला सवोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
7705858700

द रेड
स्टार न्यूज़
महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...
आपका अधिकार खबरों के रूप में
RNI. NO. MAHHIN/2010/35947
P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

संपादक- विनोद कुमार सिंह | वर्ष- 15 | अंक- 32 | सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त | 03 जुलाई से 09 जुलाई 2024 | पृष्ठ - 8 | ₹ 2/-

सुप्रीम कोर्ट में तीन वर्ष के भीतर मिलेगा न्याय-गृह मंत्री

नई दिल्ली। तीनों नए आपराधिक कानूनों को पास कराने पर फैलाए जा रहे भ्रम को खारिज करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आजादी के बाद सबसे अधिक विचार-विमर्श इन्हीं कानूनों को लेकर हुआ है। उन्होंने संसद में पर्याप्त चर्चा नहीं होने के विपक्ष के आरोपों का खारिज करते हुए बताया कि लोकसभा में 9.29 घंटे और राज्यसभा में 6.17 घंटे चर्चा के बाद इन्हें पास किया गया। इसके पहले चार वर्षों तक अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा की गई।

सरकार अभी भी किसी नए सुझाव पर विचार करने को तैयार है। नए कानूनों में त्वरित ट्रायल के प्रविधान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी तरह लागू होने के बाद नए कानूनों के तहत तीन वर्ष में सुप्रीम कोर्ट तक से सजा सुनिश्चित की जा सकेगी। शाह के अनुसार नए कानून के तहत पहला केस रात 12.10 बजे ग्वालियर के एक थाने में मोटर साइकिल चोरी का दर्ज किया गया। अमित शाह के अनुसार तीनों कानूनों में से भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तो 30 जून और एक जुलाई की रात 12 बजे से लागू हो गई है।

वहीं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत जांच सुनिश्चित करने के लिए आधारभूत संरचना और प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने का काम पूरी गति से चल रहा है। नए कानून के तहत सात वर्ष से अधिक सजा के मामले में फोरेंसिक जांच अनिवार्य है। इसी तरह से ई-बयान और ई-पेशी का भी प्रविधान है। जैसे-जैसे आधारभूत संरचना का निर्माण होता जाएगा, थाने, जिले और राज्य को पूरी तरह से नए कानूनों पर चलने की घोषणा की जाती रहेगी। कहा कि तीनों कानून संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 24 भाषाओं में उपलब्ध होंगे।

नरेन्द्र मोदी ने राहुल पर कसा तंज !

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में मंगलवार (2 जुलाई) को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा जारी है। धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में हुई चर्चा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवाब दे रहे हैं। उससे पहले पीएम मोदी के सदन में पहुंचते ही भाजपा सांसद मोदी-मोदी के नारे लगे। इस पर विपक्षी सांसदों ने भी लोकसभा में हंगामा शुरू कर दिया। इसी हंगामे के बीच पीएम मोदी अपना भाषण दे रहे हैं। भाषण के शुरुआत में पीएम मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वो कुछ लोगों के दर्द को समझ सकते हैं। इस दौरान हंगामे के बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिरला विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि लोगों को भड़काने का काम बंद कीजिए। पीएम मोदी ने अपना भाषण जारी रखते हुए कहा कि देश की जनता ने हमारी सरकार को आशीर्वाद इसलिए भी दिया क्योंकि हमारी सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति रही है। हमारा एक मात्र लक्ष्य नेशन फर्स्ट है। देश ने एक सफल चुनाव अभियान को पार करते हुए विश्व को दिखा दिया है कि ये दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव अभियान था। देश की जनता ने दुनिया के सबसे बड़े चुनाव अभियान में हमें चुना है। मैं कुछ लोगों की पीड़ा समझ सकता हूं कि लगातार झूठ चलाने के बाद भी उन्हें घोर पराजय का सामना करना पड़ा। विश्व के सबसे बड़े चुनाव अभियान में देश की जनता ने हमें तीसरी बार देश की सेवा करने का मौका दिया है। ये अपने आप में लोकतांत्रिक विश्व के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण घटना है।

हमें हर कसौटी पर कसने के बाद देश की जनता ने ये जनादेश दिया है। जनता ने हमारे 10 साल के ट्रैक रिकॉर्ड को देखा है। जनता ने देखा है कि गरीबों के कल्याण के लिए हमने समर्पण भाव से 'जनसेवा ही प्रभुसेवा' के मंत्र को चरितार्थ करते हुए कार्य किए हैं।

हम 2014 में जब पहली बार जीतकर आए थे, तो चुनाव के अभियान में भी हमने कहा था कि करप्शन के

प्रति हमारा जीरो टॉलरेंस रहेगा। भ्रष्टाचार के प्रति हमारी इसी नीति के कारण देश ने हमें आशीर्वाद दिया है। मैं आज आपके माध्यम से देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि विकसित भारत के जिस संकल्प को लेकर हम चले हैं, उस संकल्प की पूर्ति के लिए हम भरसक प्रयास करेंगे, पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे। समय का पल-पल और शरीर का कण-कण विकसित भारत के सपने को पूरा करने में लगाएंगे। अपने समय का पल-पल, और अपने शरीर का कण-कण हम देशवासियों के लिए और विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए लगाएंगे... 2014 में देश की जनता ने हमें सेवा करने के लिए चुना और वो पल देश के परिवर्तित युग का प्रारंभ था। आज 10 साल में मेरी सरकार की अनेक सफलताएं और सिद्धियां हैं। लेकिन एक सिद्धि जिसने सभी सिद्धियों में ताकत भर दी वो थी देश निराशा की गर्त से निकलकर आशा और विश्वास के साथ खड़ा हो गया। देश में आत्मविश्वास बुलंदी पर पहुंचा। 2014 से पहले ऐसे समय थे जब आतंकवादी कहीं भी हमला करने के लिए स्वतंत्र थे, जब निर्दोष लोगों की जान जाना आम बात थी जब हिंदुस्तान के हर कोने को निशाना बनाया जाता था और सरकारें चुप रहने के अलावा कुछ नहीं करती थीं! लेकिन 2014 के बाद ये नया हिंदुस्तान घर में घुस कर मारता है...आज देश का एक-एक नागरिक जानता है कि अपनी सुरक्षा के लिए भारत कुछ भी कर सकता है। लोकसभा चुनाव के साथ हमारे देश में 4 राज्यों के भी चुनाव हुए हैं।

ईवीएम पर मुझे कल भी भरोसा नहीं था, आज भी भरोसा नहीं है
-अखिलेश यादव

नई दिल्ली। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने आज लोकसभा में बोलते हुए EVM का मुद्दा उठाया. हाल में हुए लोकसभा चुनाव में सपा ने शानदार प्रदर्शन किया है. यूपी में सपा ने सबसे ज्यादा सीटें जीती हैं. हालांकि आज लोकसभा में अखिलेश ने साफ कह दिया कि अगर उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटें जीत जाए तब भी उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर भरोसा नहीं होगा. दरअसल चुनाव नतीजे आने के बाद भाजपा के कुछ नेता कहने लगे थे कि क्या अब ईवीएम का मुद्दा नहीं उठाएंगे? क्या इस नतीजे को भी सपा और दूसरी विपक्षी पार्टियां स्वीकार नहीं करेंगी? आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए अखिलेश ने कहा कि जब तक ईवीएम चुनाव की व्यवस्था से नहीं हटाई जाती, तब तक समाजवादी पार्टी इस मांग को लेकर अडिग रहेगी. अखिलेश यादव ने कहा ईवीएम पर मुझे कल भी भरोसा नहीं था, आज भी भरोसा नहीं है. मैं 80 की 80 सीट जीत जाऊं तब भी भरोसा नहीं होगा. मैंने चुनाव से पहले प्रचार के दौरान कहा था कि ईवीएम से जीतकर ईवीएम हटाने का काम करेंगे. ईवीएम का मुद्दा मरा नहीं और न ही खत्म हुआ है. जब तक ईवीएम नहीं हटेगी, तब तक हम समाजवादी लोग इसको (हटाने की मांग) लेकर अडिग रहेंगे. इस लोकसभा चुनाव में सपा ने उत्तर प्रदेश में 37 संसदीय सीट जीतकर अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ चुनावी प्रदर्शन किया है. उसकी सहयोगी कांग्रेस ने राज्य में छह लोकसभा सीट जीतीं.गांव को गोद लेने पर उन्होंने कहा कि किसी गांव की तस्वीर 10 साल में नहीं बदली है. भाजपा के स्मार्ट सिटी के वादे झूठे निकले. जिसे गोद लिया जाता है उसे अनाथ बनाकर छोड़ दिया जाना अच्छा नहीं है. कास्ट सेंसस के पक्ष में हैं. अग्निवीर की चिंता वैसी की वैसी बनी है. अग्निवीर व्यावस्था को हम कभी स्वीकार नहीं कर सकते हैं. किसान की आय दोगुनी नहीं हुई है.

धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान विपक्षी सांसदों पर भड़के अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। अनुराग ठाकुर ने अपने भाषण के दौरान सनातन धर्म पर उंगली उठाने वालों पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने जब अपने भाषण में विकास के साथ विरासत जैसे मुद्दों की बात करनी शुरू की तो कुछ सांसदों ने इस पर आपत्ति जताई। जिसके बाद अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष के कई नेताओं ने कहा है कि सनातन धर्म एक बीमारी की तरह है और इसको जड़ से मिटाना जरूरी है। ऐसे नेताओं को शर्म आनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। सनातन धर्म को नीचा दिखाने की कोशिश करने वालों पर हमला करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा मुगल आए आकर चले गए, अंग्रेज भी आए, आकर चले गए सनातन धर्म था, सनातन है और सनातन रहेगा। अनुराग ठाकुर ने अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी पर भी नेता विपक्ष बनने को लेकर तंज कसा और कहा कि उन्हें इस पद की जिम्मेदारी भी समझनी चाहिए। वह तो अब भी सदन में नहीं हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा यह अच्छी बात है कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बने हैं। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि वह बीते दो दशकों से बिना जिम्मेदारी के सत्ता का मजा ले रहे थे। अब उन्हें जिम्मेदारी भी लेनी पड़ेगी। यह उनके लिए परीक्षा है। क्या वह विपक्ष को एकजुट रख पाएंगे। पिछले सत्र में उनकी 50 पर्सेंट से भी कम हाजिरी थी। अरे वह तो आज भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब देखते हैं कि राहुल गांधी सदन में कितना रहते हैं। क्या उन्हें पता है कि सवाल पूछने के लिए सदन में दिन-दिन भर रहना होता है, जैसे प्रधानमंत्री मौजूद रहते हैं। भाजपा सांसद ने अपने भाषण में मोदी सरकार के कामकाज का भी जिक्र किया।

जीन्स और टी-शर्ट पहनने पर भी बैन !

मुंबई, हिजाब बैन के बाद, मुंबई के कॉलेज में जीन्स और टी-शर्ट पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है. चेंबूर के एनजी आचार्य डीके मराठे कॉलेज में सोमवार को जीन्स और टी-शर्ट पहनकर आए स्टूडेंट्स को गेट पर ही रोक दिया गया. कॉलेज ने नया ड्रेस कोड जारी किया है. कुछ दिन पहले ही बॉम्बे हाई कोर्ट ने कॉलेज में हिजाब बैन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी. आचार्य मराठे कॉलेज की ओर से 27 जून को जारी नोटिस के अनुसार फटी जींस, टी-शर्ट, खुले कपड़े और जर्सी की अनुमति नहीं है. नोटिस कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विद्यागौरी लेले ने जारी किया है. इसमें कहा गया है, छात्रों को परिसर में औपचारिक और सभ्य पोशाक पहननी चाहिए. वे हाफ-शर्ट या फुल-शर्ट और ट्राउजर पहन सकते हैं. कॉलेज के नोटिस में कहा गया है, छात्राएं कोई भी भारतीय या पश्चिमी पोशाक पहन सकती हैं. छात्रों को कोई भी ऐसा पहनावा नहीं पहनना चाहिए जो धर्म या सांस्कृतिक असमानता को दर्शाता हो. नकाब, हिजाब, बुर्का, स्टोल, टोपी, बैज आदि को ग्राउंड फ्लोर पर कॉमन रूम में जाकर उतारना होगा और उसके बाद ही वे पूरे कॉलेज परिसर में घूम सकते हैं. कई स्टूडेंट्स ने गोवंडी नागरिक संघ के अतीक

खान से शिकायत की. खान ने द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा पिछले साल उन्होंने हिजाब पर प्रतिबंध लगाया था. इस साल जीन्स और टी-शर्ट पर रोक लगा दी है जो न सिर्फ कॉलेज जाने वाले नौजवान पहनते हैं, बल्कि सभी धर्मों और जेंडर के लोग भी. हालांकि कॉलेज का कहना है कि वह सिर्फ स्टूडेंट्स को कॉर्पोरेट दुनिया के लिए तैयार कर रहा है.कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. लेले ने कहा हम चाहते हैं कि छात्र शालीन कपड़े पहनें. हमने कोई यूनिफॉर्म नहीं लाई है, लेकिन उनसे औपचारिक भारतीय या पश्चिमी कपड़े पहनने को कहा है. आखिरकार नौकरी मिलने के बाद उनसे यही पहनने की उम्मीद की जाएगी.

जलवायु परिवर्तन को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने मंगलवार को दैनिक जीवन में हरित जीवनशैली को शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अब जलवायु परिवर्तन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। सीजेआई चंद्रचूड़ नई दिल्ली में कड़कड़डूमा, शास्त्री पार्क और रोहिणी में तीन न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए आधारशिला रखने के समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने राष्ट्रीय राजधानी में हाल ही में एक ही दिन में दो हीटवेव और उसके बाद हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश का जिक्र किया। उन्होंने कहा इस साल दिल्ली में सबसे ज्यादा गर्मी दर्ज की गई। हमारे बुनियादी ढांचे में वह वास्तविकता झलकनी चाहिए जिसमें हम रहते हैं- जलवायु परिवर्तन को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक महत्वपूर्ण कदम हमारे दैनिक जीवन में हरित जीवनशैली को शामिल करना है, जिसमें कार्बन उत्सर्जन को कम करना शामिल है। सीजेआई ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि जीआरआईएचए-रेटेड ये नई अदालती इमारतें हीट आइलैंड शमन और पर्यावरण पदचिह्न को कम करने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। ग्रीन रेटेड इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट एक रेटिंग टूल जो लोगों को कुछ राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य पर्यावरणीय मानदंडों के आधार पर अपने भवन के प्रदर्शन का आकलन करने में मदद करता है। उन्होंने कहा सभी इमारतों की तरह न्यायालय परिसर भी सिर्फ ईंटों और कंक्रीट से नहीं बने होते। वे उम्मीदों से बने होते हैं। न्यायालय न्याय और कानून के शासन के गुणों को समझने के लिए बनाए गए हैं। हमारे सामने जो भी मामला दायर किया जा रहा है, वह न्याय की इसी उम्मीद के साथ है। जब हम अपने न्यायाधीशों, वकीलों और वादियों की सुरक्षा, पहुंच और आराम में निवेश करते हैं, तो हम सिर्फ एक कुशल प्रणाली ही नहीं बनाते हम एक न्यायपूर्ण और समावेशी प्रणाली बनाते हैं। उन्होंने कहा कि नए न्यायालय परिसरों से न्यायालय की कार्यकुशलता बढ़ेगी, लंबित मुकदमों की संख्या में कमी आएगी और सभी हितधारकों को सम्मानजनक वातावरण मिलेगा। इसके अलावा, सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायिक प्रणाली संविधान के अलावा किसी और की सेवा नहीं करती है और यह किसी और की नहीं बल्कि वादियों की सेवा करती है। उन्होंने कहा कि हमारी अदालतें केवल संप्रभु शक्ति के स्थल नहीं हैं, बल्कि आवश्यक सार्वजनिक सेवा प्रदाता भी हैं।

बहुसंख्यक आबादी हो जाएगी अल्पसंख्यक
बढ़ते धर्मांतरण पर जताई चिंता !

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बढ़ते धर्मांतरण के मामलों पर चिंता जताई है और कहा है धर्मांतरण के मामलों पर रोक लगनी चाहिए. अगर ऐसा नहीं हुआ तो एक दिन बहुसंख्यक आबादी अल्पसंख्यक हो जाएगी. हाई कोर्ट ने कहा धर्मांतरण के लिए होने आयोजनों पर भी तुरंत रोक लगना चाहिए. कोर्ट ने कहा यूपी में एससी/एसटी और अन्य आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों का बड़े पैमाने पर ईसाई धर्म में धर्मांतरण हो रहा है. कोर्ट ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 किसी को भी स्वेच्छा से धर्म चुनने की आजादी देता है, लेकिन लालच देकर किसी का धर्म परिवर्तन करने की इजाजत नहीं देता. अपने धर्म का प्रचार करने का अर्थ किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति को अपने धर्म में परिवर्तित कराना नहीं है. जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के तहत हमीरपुर के मौदहा निवासी आरोपी कैलाश की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की. याची पर अपने गांव के ही एक व्यक्ति का इलाज के नाम पर धर्मांतरण के प्रयास का आरोप है, जिसको लेकर हमीरपुर के मौदहा थाने में धर्मांतरण समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है. कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए याची की जमानत को खारिज कर दिया और कहा कि धर्म का प्रचार प्रसार करना गलत नहीं है, लेकिन किसी का धर्मांतरण कराना विधि विरुद्ध है. याची पर गांव के कई अन्य गरीब लोगों का भी ईसाई धर्म में परिवर्तन कराने का आरोप है. शिकायतकर्ता रामकली प्रजापति ने एफआईआर में कहा था कि उसके भाई रामफल को कैलाश घर से दिल्ली में एक सामाजिक समारोह में भाग लेने के लिए ले गया था. इस समारोह में गांव के कई और लोगों को भी ले जाया गया. बाद में सभी को लालच देकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया गया. बकौल रामकली, उनका भाई मानसिक रूप से बीमार चल रहा था. इस मामले में गिरफ्तारी के बाद कैलाश के अधिवक्ता ने बताया कि आवेदक ने शिकायतकर्ता के भाई का धर्मांतरण नहीं किया था. पादरी सोनू ने कार्यक्रम का आयोजन किया था और उसी ने सभी का धर्म परिवर्तन कराया। उसे जमानत पर रिहा किया जा चुका है. राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि ऐसी सभाओं का आयोजन कर बड़े पैमाने पर लोगों को ईसाई बनाया जा रहा है. कैलाश गांव से लोगों को ले जाकर ईसाई धर्म में परिवर्तित कराने में शामिल रहा है.

जुलाई में जमकर होने वाली है बरसात

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग यानी आईएमडी ने मंगलवार को कहा कि आगामी तीन महीनों में अच्छी बारिश की उम्मीद है। आईएमडी ने अपने अलर्ट में कहा कि जून में 11 फीसदी कम बारिश के बाद भी मानसून सामान्य से अधिक रह सकता है। इसके अलावा विभाग ने कई इलाकों में बाढ़ आने और बादल फटने जैसे हालात की भी चेतावनी जारी की। आईएमडी के मुताबिक मानसून 2-3 दिनों में राजस्थान हरियाणा और पंजाब के बचे हुए हिस्सों में पहुंच सकता है। मौसम विभाग ने आगे कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने सामान्य तिथि से छह दिन पहले पूरे देश को कवर कर लिया है। आईएमडी ने एक बयान में कहा दक्षिण-पश्चिम मानसून आज राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के शेष हिस्सों में आगे बढ़ गया है। इस प्रकार इसने 8 जुलाई (पूरे भारत को कवर करने की सामान्य तिथि से छह दिन पहले) की तुलना में 2 जुलाई 2024 को पूरे देश को कवर कर लिया। मानसून केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में सामान्य से दो और छह दिन पहले 30 मई को पहुंचा। यह महाराष्ट्र तक सामान्य रूप से आगे बढ़ा लेकिन इसकी गति धीमी हो गई, जिससे पश्चिम बंगाल ओडिशा झारखंड बिहार छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में बारिश का इंतजार बढ़ गया और उत्तर-पश्चिम भारत में भीषण गर्मी का असर और खराब हो गया। देशभर में 11 जून से 27 जून तक 16 दिन सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण जून में कुल मिलाकर सामान्य से कम वर्षा हुई। इस महीने के लिए सामान्य 165.3 मिमी के मुकाबले 147.2 मिमी वर्षा हुई जो 2001 के बाद से सातवीं सबसे कम वर्षा है। देश में चार महीने के मानसून सीजन के दौरान दर्ज की गई कुल 87 सेमी वर्षा का 15 प्रतिशत जून की वर्षा है। इससे पहले, आईएमडी ने सोमवार को कहा कि भारत में जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है भारी बारिश से पश्चिमी हिमालयी राज्यों और देश के मध्य भागों में नदी घाटियों में बाढ़ आने की संभावना है।

गृह मंत्रालय ने एफसीआरए पंजीकृत एनजीओ की वैधता अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि सभी ऐसे एफसीआरए पंजीकृत एनजीओ की वैधता 30 सितंबर तक या नवीनीकरण आवेदन के निपटान की तारीख तक बढ़ा दी गई है, जिनके नवीनीकरण आवेदन लंबित हैं। एक अधिसूचना के अनुसार गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत उन एनजीओ की वैधता भी बढ़ा दी है, जिनकी पांच साल की वैधता अवधि एक जुलाई से 30 सितंबर के दौरान समाप्त हो रही है और जिन्होंने पांच साल की वैधता अवधि समाप्त होने से पहले नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है या वे आवेदन करेंगे। गृह मंत्रालय ने सभी एफसीआरए पंजीकृत संगठनों को यह भी सलाह दी है कि वे ध्यान रखें कि पंजीकरण प्रमाणपत्र के नवीनीकरण के लिए आवेदन को अस्वीकार करने की स्थिति में, प्रमाणपत्र की

वैधता नवीनीकरण के आवेदन को अस्वीकार करने की तिथि को समाप्त मानी जाएगी और संगठन विदेशी अंशदान प्राप्त करने या प्राप्त विदेशी अंशदान का उपयोग करने के लिए पात्र नहीं होगा।

संपादकीय

राहुल गांधी का सियासी भविष्य?

16वीं और 17वीं लोकसभा में नबंरों के लिहाज से कांग्रेस बीते 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में इतना पिछड़ गई थी कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का पद भी नसीब नहीं हुआ। नेता विपक्ष पद की बात तो दूर, पार्टी का भविष्य और अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया था। कम नंबर संख्या के कारण ही संसद में नेता विपक्ष की सीट भी रिक्त रही। पर कहते हैं कि सियासत में चमत्कार की संभावनाएं अन्य क्षेत्रों के मुकाबले ज्यादा रहती हैं। किसके सितारे बुलंद हो जाए और किसके अचानक बुझ जाएं? इसका दामोदर सब कुछ जनता-जर्नादन के मूड और विचारों पर निर्भर रहता है? बीते 2024 के आम चुनाव में हुआ भी कमोबेश कुछ ऐसा ही? भाजपा 400 पार के नारे के साथ फिर से प्रचंड बहुमत में आने को पूरी तरह आश्वस्त थी, लेकिन जनता ने अस्वीकार कर दिया। मौका जरूर दिया, लेकिन आधा-अधूरा? हालांकि कांग्रेस ने इस बार उम्मीद से कहीं बढ़कर बेहतीन प्रदर्शन कर खुद को लड़ाई में बरकरार रखा। कांग्रेस हो या भाजपा प्रचंड जीत से बौराने की प्रवृति से सभी दलों को तौबा करना होगा। 2024 का जनादेश सभी के लिए सीख जैसा है। कांग्रेस को जनता ने नया जीवनदान दिया है। इसलिए कांग्रेस के सितारे एक बार फिर थोड़े से चमके हैं। पिछली बार मात्र 44 सांसद ही जीतकर संसद पहुंचे थे। पर, ये आंकड़ा इस दफे 99 तक पहुंचा है। तभी कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष के लिए दावेदार हुई है। अच्छे नंबरों से पास होने का ही नतीजा है कि नेता विपक्ष के लिए राहुल गांधी के नाम पर ताजपोशी होनी विपक्षी धड़े की ओर से मुकर्रर हुई है। पर जनता का संदेश पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए बराबर है? जो जनता के हित में काम करेगा, उसकी जयकार होगी। वरना, घमंड़ चकनाचूर करने में देश के मतदाता जरा भी नहीं हिचकेंगे? 2024 के जनादेश ने देश की सियासी तस्वीर पूरी तरह से बदल दी है। चाहे प्रधानमंत्री हों या नेता विपक्ष सभी से काम की उम्मीद करती है। नेता भी अब समझ गए हैं कि लच्छेदार बातों और हवा-हवाई दावों से अब काम नहीं चलने वाला? बहरहाल गठबंधन राजनीति में नेता विपक्ष के पद को पूरे पांच वर्ष तक सुचारू रूप से यथावत रखना भी किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होगा? पद पर आसीन होने वाले औहदेदार के लिए भी चुनौतियों की भरमार रहेंगी। उन्हें हर घड़ी अग्निपरीक्षा से गुजरना होगा। नेता विपक्ष का पद राहुल गांधी की सियासी समझ की भी कठिन परीक्षा लेगा? क्योंकि सत्तापक्ष और देश की एक बड़ी आबादी अभी तक उन्हें सियासत का 10वीं पास छात्र ही समझती रही है। दरअसल समझने के कई ताजा उदाहण भी सामने मुंह खोले जो खड़े हैं। राहुल गांधी कई बार अपने सियासी प्रयोगों में विगत वर्षों में असफल हुए हैं इसलिए भी लोगों को थोड़ा बहुत संदेह अब भी है? उनके सियासी इतिहास के पन्ने खोले तो सामने एक विफलता भरी तस्वीर उभरती है कि वह कांग्रेस अध्यक्ष का पद भी अच्छे से निर्वाह नहीं कर सके, जिसके चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। अमेठी से चुनाव भी हारे और अपनी अगुआई में पार्टी को चुनाव लड़ाकर भी ज्यादा कुछ नहीं कर सके। कुल मिलाकर उनके हिस्से में सियासी असफलता की भरमार है। पर, इन गुजरे वर्षों में अच्छी बात ये रही, वह लगातार हारने के बावजूद भी हिम्मत नहीं हारे, सियासी मैदान में डटे रहे? खुद को साबित करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली, जिसमें लोगों का समर्थन हासिल किया। यही कारण है, जनता ने उनपर थोड़ा भरोषा जताया है।

टूटी-फूटी सड़कों पर टोल-टैक्स लेना ज्यादती है

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक-जीवन को न केवल अस्त-व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है।

बेहतर सेवाओं के नाम पर सरकारें कई तरह के शुल्क वसूलती है, इसमें कोई आपत्ति एवं अतिश्योक्ति नहीं है। लेकिन सेवाएं बेहतर न हो फिर भी उनके नाम पर शुल्क या कर वसूलना आपत्तिजनक एवं गैरकानूनी है। यह एक तरह से आम जनता का शोषण है, धोखाधड़ी है। राजमार्ग एवं अन्य मार्गों पर बेहतर एवं सुविधाजनक सड़कों के नाम पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन विडम्बना एवं त्रासदी यह है कि टूटी-फूटी सड़कों के नाम पर भी टोल वसूला जाता है, जो अन्यायपूर्ण एवं आपत्तिजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान में जनता के इस बड़े होते दुःख, धोखाधड़ी एवं शोषण पर न केवल दुःख जताया बल्कि ऐसी जबरन की जा रही वसूली को रोकने के लिये अधिकारियों को चेताया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। रोड टैक्स का उपयोग राज्य के भीतर सड़कों के रखरखाव और विकास के लिए किया जाना चाहिए न कि सरकार की आमद को बढ़ाने के लिये। ऐसे अनेक उदाहरण है कि बिना सुविधा एवं आवश्यकता के भी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। राज्य सरकारें भी स्वतंत्र रूप से टोल वसूलती है। दूसरी ओर, टोल टैक्स एक उपयोगकर्ता शुल्क है जिसे वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या निजी ठेकेदारों को कुछ टोल सड़कों, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पुल और सुरंगों का उपयोग करने के लिए देना पड़ता है। जो अन्य सड़कों की तुलना में इन सड़कों को उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की माना जाता है। निश्चित रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क-क्रांति की है बल्कि व्यवस्था की खामियों को सुधारने के भी सराहनीय प्रयास किये हैं।

किसी देश को विवेकपूर्ण, बेहतर सुविधाओं एवं विकास के नये मानकों के साथ चलाने के लिए सरकार को पात्र नागरिकों से बेहतर सुविधाओं के लिये कर एकत्र में कोई ऐतराज नहीं है; लेकिन सड़कें हो या अन्य सुविधाएं, अच्छी नहीं होने पर भी टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने पर उपभोक्ता स्वयं को ठगा हुआ एवं शोषित महसूस करता है, जिसके कारण टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने वाली एजेन्सियों के खिलाफ शिकायतें बढ़ती जा रही है। टोल टैक्स प्रणाली सरकार या निजी ठेकेदारों के लिए राजस्व सृजन का स्रोत नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता के लिए बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने का साधन होनी चाहिए। निश्चित तौर पर गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी एवं अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर भी लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने की स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही है। इन स्थितियों को लेकर आम जनता एवं उपभोक्ताओं में विरोध एवं विद्रोह पनप रहा है, इसलिये सरकार एवं ऐसी एजेन्सियों के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। किसी भी विभाग को अपनी खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली-पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार होना चाहिए। नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक-जीवन को न केवल अस्त-व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। लेकिन बिना सुविधा के भी टैक्स वसूलने की स्थितियां सरकार पर बदनूमा दाग है और ऐसे दाग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बहरहाल बात राजमार्गों पर वसूले जा रहे गैर वाजिब टोल टैक्स के बढ़ने की चिन्ता का है, जो एक त्रासदी है। इसी त्रासदी को केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा और कहा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमसे टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम एवं स्वागतयोग्य कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की ऐसी कारगुजारियों एवं ज्यादतियों पर नजर रखनी चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसी शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए। कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, गैरवाजिब टोल टैक्स वसूला जाना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है।

तृणमूल के गुंडों को ममता की मिली छूट!

नई दिल्ली। बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर में बीच सड़क पर महिला को कोड़े मारने की घटना पर भाजपा ने आक्रामक रुख दिखाया है। ममता राज की तुलना जंगलराज से करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के गुंडों को शरिया कानून लागू करने की छूट दे दी है। ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग करने के साथ ही भाजपा की ओर से प्रश्न उठाया गया है कि संविधान की प्रति हाथ में लेकर घूमने वाले आईएनडीआईए नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल चुप क्यों हैं? भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में बंगाल में महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार की भर्त्सना करते हुए राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि जंगल-राज कैसा होता है? ममता-राज जैसा होता है। मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में जंगलराज का एक और दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण सामने आया है। महिला के साथ दुर्व्यवहार हुआ खुलेआम कोड़े से उसकी पिटाई की गई, जो वायरल वीडियो में साफ स्पष्ट हो रहा है। उत्तर दिनाजपुर में तृणमूल कांग्रेस के नेता ताजमुल उर्फ जेसीबी भारतीय संविधान में नहीं, बल्कि ममता बनर्जी के इशारे पर तालिबानी अंदाज में त्वरित न्याय करने में विश्वास रखते हैं।

उद्धव ठाकरे ने फिर किया खेला

मुंबई, महाराष्ट्र में एक बार फिर खासतौर पर मुंबई में उद्धव ठाकरे की शिवसेना का जलवा देखने को मिला. लोकसभा चुनावों में बीजेपी-शिवसेना की महायुति को पछाड़ने के बाद उद्धव ठाकरे ने विधान परिषद की चार सीटों पर हुए चुनावों में 2 सीटों पर जीत हासिल की है. अब सभी चार सीटों के चुनाव परिणाम आ गए हैं. इनमें शिवसेना के किशोर दराडे ने महाराष्ट्र विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव में नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र पर जीत हासिल की. एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि दराडे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विवेक कोल्हे (निर्दलीय) को हराकर अपनी सीट बरकरार रखी और 63,151 वैध मतों में से जीत के लिए पर्याप्त मत हासिल किए. नासिक शिक्षक को छोड़कर अन्य तीन सीट के परिणाम सोमवार को घोषित किए गए. मुंबई स्नातक, कोंकण स्नातक, मुंबई शिक्षक और नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 26 जून को मतदान हुआ था. शिवसेना (यूबीटी) नेता अनिल परब ने सोमवार को भाजपा के किरण शेलार को हराकर मुंबई स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान परिषद का चुनाव जीता. परब को 44,784 वोट मिले, जबकि शेलार को 18,772 वोट मिले. शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार जेएम अभ्यंकर ने मुंबई शिक्षक सीट से जीत हासिल की. उन्हें 11,598 वैध मतों में से 4,083 मत मिले.

फर्जी पासपोर्ट के नाम पर चल रहे खेल का भंडाफोड़

मुंबई, मुंबई के पासपोर्ट सेवा केंद्र में बड़े स्तर पर चल रहे भ्रष्टाचार रैकेट को पकड़ने के लिए सीबीआई ने बड़े स्तर पर जांच अभियान शुरू किया। दरअसल 28 जून को लोअर परेल और मलाड के पासपोर्ट सेवा केंद्रों के 14 अधिकारियों, 18 दलालों और बिचौलियों के खिलाफ 12 मामले दर्ज किए गए थे। इन मामलों के दर्ज किए जाने के बाद सीबीआई ने मुंबई और नासिक में जांच अभियान शुरू कर दिया। सोमवार तक बड़े स्तर पर जांच अभियान चलता रहा। इस दौरान उनको लगभग 1.59 की नगदी और डिजिटल साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। तीन दिनों के जांच अभियान के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो को नकदी के अलावा पांच डायरियां भी मिली हैं। इन डायरियों में कथित तौर पर लेन-देन का विवरण और रिश्वतखोरी के गिरोह के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी अधिकारी और बिचौलिए सांठगांठ के साथ यह भ्रष्टाचार कर रहे थे। वे अधूरे दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट जारी करने या पासपोर्ट आवेदकों के विवरणों में हेरफेर करने की अनुमति देते थे। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय और सीबीआई की सतर्कता शाखा द्वारा पीएसके में संयुक्त रूप से औचक जांच की गई। इस संयुक्त औचक जांच के दौरान अधिकारियों और बिचौलियों की कथित गतिविधियों की जानकारी मिली।

नाबालिग के दादा और पिता को मिली जमानत

पुणे, पुणे के एक रियल एस्टेट डेवलपर के नाबालिग बेटे ने नशे में धुत होकर सड़क पर तेज रफ्तार से लग्जरी कार चलाई। कार ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी और दो लोगों की मौत हो गई। जब अदालत ने नाबालिग को सड़क दुर्घटना पर 300 शब्दों का निबंध लिखने को दिया तो देश भर में चर्चाएं शुरू हो गईं। सवाल उठने लगे तो शासन-प्रशासन हरकत में आ गया। अब इस मामले में पुणे की एक अदालत ने आरोपी किशोर के दादा सुरेंद्र अग्रवाल और पिता विशाल अग्रवाल को जमानत दे दी है। दोनों पर अपने परिवार के ड्राइवर का अपहरण कर कैद करने के आरोप थे। पुणे के पुलिस प्रमुख अमितेश कुमार ने इस मामले में बड़े खुलासे किए थे। पुणे पुलिस आयुक्त कहा था कि नाबालिग के पिता और दादा ने अपने ड्राइवर को पहले तोहफे और नकद राशि का लालच दिया। इसके बाद उसे धमकाया गया कि इस हादसे की जिम्मेदारी अपने सिर पर ले। ड्राइवर और उसके परिवार को पुलिस ने सुरक्षा प्रदान की थी। पुलिस आयुक्त का कहना है कि पूर्व में ड्राइवर द्वारा बयान दिया जा चुका था कि हादसे के दिन वह कार चला रहा था। इसके बाद इस बात का खुलासा हुआ कि कार को ड्राइवर नहीं बल्कि नाबालिग चला रहा था। तथ्यों की पुष्टि के बाद नाबालिग के पिता और दादा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

बीच पर महिलाएं दे रही थीं सेवाएं पुलिस ने दर्ज किया केस !

पणजी। गोवा पुलिस ने सोमवार को तीन महिलाओं के खिलाफ कैंडोलिम बीच पर सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लिए बिना कथित तौर पर मसाज सेवाएं देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि औपचारिकताओं के अनुसार तीनों आरोपियों को गोवा पर्यटन स्थल संरक्षण और रखरखाव अधिनियम 2001 की धारा 3 के तहत अपराध करने की रिपोर्ट के साथ पणजी, गोवा में पर्यटन उपनिदेशक के समक्ष पेश किया गया, लेकिन वे 25,000 रुपये (प्रत्येक आरोपी व्यक्ति द्वारा भुगतान किया जाना) का जुर्माना अदा करने में विफल रहे, इसलिए उनके खिलाफ अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा पर्यटन उपनिदेशक ने प्रत्येक आरोपी पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया था, लेकिन उन्होंने जुर्माना अदा नहीं किया। बाद में पर्यटन उपनिदेशक कुलदीप अरोलकर ने घटना की शिकायत की और कलंगुट पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने कहा ये आरोपी व्यक्ति कैंडोलिम समुद्र तट पर घूमते पाए गए और समुद्र तट पर पर्यटकों से संपर्क कर उन्हें सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना मसाज सेवाएं प्रदान करते पाए गए, जिससे कई धाराओं का उल्लंघन हुआ। सूत्रों ने बताया कि कैंडोलिम समुद्र तट पर हो रही मसाज का वीडियो वायरल हो गया था, जिसके बाद पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। स्थानीय लोगों से शिकायतें मिलने के बाद गोवा सरकार ने पहले भी दलालों और समुद्र तटों पर अवैध मसाज गतिविधियों में शामिल लोगों को चेतावनी दी थी।

भारत ने सौंपी पाक जेल में बंद असैन्य कैदियों-मछुआरों की सूची

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे की जेलों में बंद असैन्य कैदियों और मछुआरे की सूची सोमवार को साझा की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत के निरंतर प्रयासों की बदौलत 2014 से अब तक 2639 भारतीय मछुआरों और 71 असैन्य कैदियों को को पाकिस्तान से वापस लाया गया है। बता दें कि दोनों देश 2008 के द्विपक्षीय समझौते के तहत वर्ष में दो बार एक जनवरी और एक जुलाई को इस तरह की सूची साझा करते हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत ने पाकिस्तान को अपनी जेलों में बंद 366 असैन्य कैदियों और 86 मछुआरों की सूची दी है। ये कैदी पाकिस्तानी हैं या इन्हें पाकिस्तानी माना जाता है। इसी तरह अपनी जेलों में बंद 43 असैन्य कैदियों और 211 मछुआरों के नाम साझा किए हैं जो भारतीय हैं या जिनके भारतीय होने की संभावना है। भारत सरकार ने पाकिस्तान की हिरासत से असैन्य कैदियों, मछुआरों और उनकी नौकाओं तथा लापता भारतीय रक्षा कर्मियों की शीघ्र रिहाई और स्वदेश भेजने का आह्वान किया है। मंत्रालय ने कहा पाकिस्तान से उन 185 भारतीय मछुआरों और असैन्य कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी में तेजी लाने को कहा गया है, जिनकी सजा पूरी हो चुकी है। पाकिस्तान से यह भी कहा गया है कि वह उन 47 असैन्य कैदियों और मछुआरों को तत्काल राजनयिक पहुंच प्रदान करे, जिन्हें भारतीय नागरिक माना जाता है। पाकिस्तान से सभी भारतीय असैन्य कैदियों और मछुआरों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

द रेड स्टार न्यूज को
अनुभवी संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि
की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.

9820361619

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.

• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे

+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.

ठाणे कार्यालय :
डी-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे.
संपर्क- 9987585870 / 9820361619
vinod143singh@gmail.com

महाराष्ट्र में सरपंच की हत्या !

मुंबई, महाराष्ट्र के बीड जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) के एक पदाधिकारी और उसके सहयोगियों द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद एक गांव के सरपंच की गोली मारकर हत्या कर दी गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार को परली तहसील के बैंक कॉलोनी इलाके में हुई इस घटना के लिए राकांपा (सपा) नेता शशिकांत उर्फ बबन गिट्टे और उनके चार सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित, मरालवाड़ी गांव के सरपंच बापूराव अंधाले और ज्ञानबा गिट्टे, आरोपियों में से एक के घर गए और अंधाले तथा शशिकांत के बीच झगड़ा हो गया। अधिकारी ने बताया कि शशिकांत ने कथित तौर पर अपनी पिस्तौल निकाली और बापूराव पर गोली चला दी, जिसके बाद उसके सहयोगी राजाभाऊ नेहारकर ने दरांती से उस पर हमला कर दिया और उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि ज्ञानबा गिट्टे को भी आरोपियों ने गोली मारी और उन पर हमला किया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 307 (हत्या का प्रयास) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों तथा शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक नंदकुमार ठाकुर ने कहा, हमने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, जिनमें से एक घायल है तथा अन्य चार की तलाश जारी है।

मर्सिडीज कार चलाते हुए दो लोगों को कुचला

मुंबई, महाराष्ट्र के नागपुर शहर में चार महीने से अधिक समय पहले शराब के नशे में अपनी मर्सिडीज कार चलाते हुए दो लोगों को कुचलने की आरोपी महिला ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रितिका उर्फ रितु मालू सोमवार को शहर के एक पुलिस थाने में पहुंची, जहां पूछताछ के बाद शाम को उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया।

पिछले महीने के अंत में, बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने महिला को गिरफ्तारी से पहले जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि कोई भी समझदार व्यक्ति शराब के नशे में गाड़ी नहीं चलाता है और साथ ही इसे गंभीर कदाचार बताया था। बता दें कि यह घटना 25 फरवरी को राम झूला पुल पर हुई थी, जब मालू ने कथित तौर पर शराब के नशे में अपनी कार को लापरवाही से चलाया और स्कूटर पर सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों सवार मोहम्मद हुसैन गुलाम मुस्तफा और मोहम्मद अतीफ मोहम्मद जिया को घातक चोटें आईं। मालू पर शुरू में भारतीय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत लापरवाही से गाड़ी चलाने और किसी व्यक्ति को चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया था। बाद में लोगों के आक्रोश और दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने उसके खिलाफ अतिरिक्त आपराधिक आरोप लगाए। महिला को शुरू में जमानत दे दी गई थी। हालांकि बाद में पुलिस ने मालू को फिर से गिरफ्तार करने की मांग की, जिसके बाद उसने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का रुख किया। पुलिस के मुताबिक उसे मंगलवार को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

मुंबई में पासपोर्ट ऑफिसों में CBI की बड़ी छापामारी

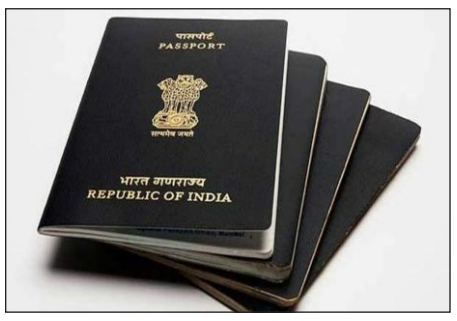

मुंबई, सीबीआई ने मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य कई स्थानों पर पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) में भ्रष्टाचार की जांच के लिए छापेमारी की है। छापेमारी के बाद सीबीआई ने 32 संदिग्धों के खिलाफ 12 मामले दर्ज किए हैं। पासपोर्ट कार्यालयों से भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए यह हाल के समय का सबसे बड़ा अभियान बताया जा रहा है। जिन लोगों के विरुद्ध मामले दर्ज किए गए हैं, उनमें पासपोर्ट सहायक के रूप में तैनात 14 अधिकारी, पीएसके में तैनात वरिष्ठ पासपोर्ट सहायक और 18 पासपोर्ट सुविधा एजेंट और दलाल शामिल हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मुंबई और नासिक में 33 स्थानों पर तलाशी ली गई है। मुंबई में पीएसके, लोअर परेल और मलाड में छापे मारे गए, जो विदेश मंत्रालय (एमईए) के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) के मुंबई कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आता है।

ये अधिकारी पासपोर्ट सुविधा एजेंटों के नियमित संपर्क में थे और अपर्याप्त व अधूरे दस्तावेजों के आधार पर या पासपोर्ट आवेदकों के व्यक्तिगत विवरण में हेरफेर कर पासपोर्ट जारी करने के बदले अनुचित लाभ उठा रहे थे।

शिंदे की शिवसेना को मिली जीत

मुंबई, महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों के बाद एक बार फिर शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति पर भारी पड़े हैं। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना को कुल चार सीटें में दो पर जीत मिली है, जबकि महायुति को दो सीट सीटों पर संतोष करना पड़ा है। इसमें एक सीट बीजेपी और एक सीट एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को मिली है। शिक्षकों और ग्रेजुएट्स के द्वारा हुए विधान परिषद चुनावों में अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और राज ठाकरे ने भी कैंडिडेट उतारा था, लेकिन दोनों दलों को सफलता नहीं मिली है। ऐसे में जब राज्य में 11 विधान परिषद की सीटों पर चुनाव होने जा रहा है तब उद्धव ठाकरे को मनौवैज्ञानिक तौर पर दूसरी मजबूती मिली है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना ने मुंबई की शिक्षक और ग्रेजुएट सीट पर जीत हासिल की है, जबकि बीजेपी को कोंकण और शिवसेना को नासिक सीट पर जीत मिली है। महाराष्ट्र विधानपरिषद के चार सीटों के चुनाव के लिए 26 को वोट डाले गए थे। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कैंडिडेट अनिल परब ने सोमवार को बीजेपी के किरण शेलार को हराकर मुंबई स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान परिषद का चुनाव जीता। परब को 44,784 वोट मिले, जबकि शेलार को 18,772 वोट मिले। कुल डाले गए वोट में से 64,222 वोट वैध पाए गए थे। ऐसे में परब ने बड़ी जीत हासिल की है। कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में बीजेपी के निरंजन डावखरे ने कांग्रेस के रमेश कीर को हराया। दावखरे को 1,00,719 वोट मिले जबकि कीर को 28,585 मत मिले। शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार जेएम अभ्यंकर ने मुंबई शिक्षक सीट से जीत हासिल की। उन्हें 11,598 वैध मतों में से 4,083 मत मिले। नासिक सीट पर एकनाथ शिंदे की अगवाई वाली शिवसेना के किशोर दराडे जीते हैं। एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि दराडे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विवेक कोल्हे (निर्दलीय) को हराकर अपनी सीट बरकरार रखी और 63,151 वैध मतों में से जीत के लिए पर्याप्त मत हासिल किए। विधान परिषद के इन चुनावों में महायुति की तरफ से बीजेपी ने दो कैंडिडेट उतारे थे। एक सीट पर शिवसेना और एक सीट पर निर्दलीय कैंडिडेट का समर्थन किया था। ऐसे में महायुति को दो सीटें मिलीं तो वहीं दूसरी तरफ महाविकास आघाडी से शिवसेना ने कुल तीन कैंडिडेट उतारे थे। इसमें उसे दो पर जीत मिली। कोंकण की सीट पर कांग्रेस के रमेश कीर लड़े थे, हालांकि वे चुनाव हार गए। नासिक की सीट पर शिवसेना यूबीटी ने कांग्रेस से आए संदीप गुलवे पर दांव खेला था, लेकिन गुलवे नहीं जीत पाए। मुंबई की दोनों सीटों पर उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी की जीत ने पार्टी को जोश से भरा दिया है। मुंबई की कुल छह लोकसभा सीटों में चार सीटें एमवीए और दो सीटें महायुति को मिली थीं। इसमें तीन तीन सीटें शिवसेना यूबीटी और 1 सीट कांग्रेस को मिली थी।

आर/उत्तर मनपा में अवैध निर्माण की सुनामी !

मुंबई आर/उत्तर मनपा विभाग में हुए भ्रष्टाचार की कब होगी जांच-पड़ताल?

अवैध निर्माण माफियाओं का सरदार ! जूनियर अभियंता चंद्रकांत फड़तरे...

भूषण गगराणी
(मुंबई मनपा आयुक्त)

दहिसर। मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी मनपा आयुक्त एवं संबंधित अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। ऐसा लगता है कि जैसे आर/उत्तर मनपा व मनपा में काबिज संबंधित अधिकारियों के भी हाथ भ्रष्टाचार की चाशनी में सने हुए हैं। आर/उत्तर के इमारत एवं कारखाना विभाग में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई न होना ये दर्शाता है कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव जीतने वाली भाजपा सरकार भी फेल हो गई है। अब तो ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे शासन-प्रशासन का भी हाथ इस भ्रष्टाचार की चाशनी में सना हुआ हो। यही वजह है कि आज हमारे देश के राजनेताओं, पूंजीपतियों, बिल्डरों सरकारी अफसरों की इमेज हद से ज्यादा खराब, अविश्वसनीय और देश तथा जनता को लूटकर खाने वाली बिरादरी की बन गई है। आए दिन इन लोगों के खिलाफ मीडिया में भ्रष्टाचार की खबरें छपने के बाद भी न ही सरकार को इसकी चिंता है न ही बड़े-बड़े अधिकारियों को। पिछले कुछ सालों में भ्रष्टाचार सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनने के बावजूद हकीकत यह है कि भ्रष्टाचार देश का सबसे गंभीर रोग है, जिससे सबसे ज्यादा प्रभावित आम लोग होते हैं। बिना लेन-देन के कहीं भी, किसी भी विभाग में कोई काम नहीं होता। फिर चाहे वह नगरपालिका हो, कलेक्टर आफिस हो, पुलिस विभाग या मंत्रालय हो। देश-प्रेम और जनसेवा के शब्द लिखे बोर्ड तो दिखते हैं लेकिन स्टोरी सीरियल की तरह जैसे सारे हथकंडे और तिकड़म अपनाई जाती है। यही हाल मनपा विभाग में व्याप्त है। उसी भ्रष्टाचार की कड़ी मे महानगरपालिका के कई अधिकारी जेल जा चुके है। मिली जानकारी के अनुसार कई सहायक अभियंता एवं जूनियर अभियंता जबसे कारखाना एवं इमारत विभाग के मलाईदार विभाग में अब तक बने रहना ये भी एक जांच-पड़ताल का विषय है। अब सवाल यह है कि कनिष्ठ अभियंता चंद्रकांत फड़तरे पर मनपा की आस्थापना विभाग इतनी मेहरबान क्यों है? एक कहावत है कि सारी दुनिया एक तरफ और जोरू का भाई एक तरफ। ऐसे ही फड़तरे के ऊपर भी कई भ्रष्टाचार के मामले होने के बावजूद बिल्डिंग एवं कारखाना विभाग में डटे हुए है। परन्तु फड़तरे अपनी ऊंची पहुंच और रसूख की बदौलत अवैध निर्माण के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। वैसे ही मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग के इमारत एवं कारखाना विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। आर/उत्तर मनपा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर द रेड स्टार न्यूज़ में लगातार खबरें प्रकाशित करने के साथ साथ मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त, पश्चिमी उपनगर अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त परिमंडल 07, आर/उत्तर सहायक आयुक्त, आर/उत्तर शिकायत अधिकारी, पद-निर्देशित अधिकारियों को भी शिकायत करने के बावजूद भी अवैध निर्माण पर सुनने को तैयार नहीं है। या यू कहे कि कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। वहीं समाजसेवी संगठनों एवं पत्रकारों द्वारा शिकायत करने के बाद और जोर-शोर में अवैध निर्माण किया जा रहा है। इतना ही नहीं बल्कि पत्रकारों द्वारा आरटीआई मे जबाब मांगने के बाद भी कोई सही जानकारी नहीं दी जाती बल्कि घुमा-फिरा कर गोल माल आधी अधूरी जबाब मिलता है। यही कारण है कि अब सहायक आयुक्त नवनीस वेंगुरलेकर भी शक के घेरे में आ गए हैं। अब तो यही लगता है कि आर/उत्तर विभाग में हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार मामले में सहायक आयुक्त से लेकर इमारत एवं कारखाना विभाग के सभी अधिकारी संलिप्त हैं। वही महानगरपालिका का बिल्डिंग एवं फैक्टरी विभाग एक खास अभियंता की कठपुतली बनी हुई है? मनपा आर/उत्तर के भ्रष्ट अधिकारी चंद्रकांत फड़तरे का चहेता भूमाफिया व ठेकेदार भीम शर्मा द्वारा लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक 02 दर्जन से अधिक अवैध निर्माण कर चुका है। **अगले अंक में पढ़े मनपा आर/उत्तर के सहायक आयुक्त की पूरी कहानी पार्ट एक.?**

मालाड पोलीस ठाणे

अपमृत्यु नोंद क्रमांक 47 /24
मधील बेवारस मयत इसमाचे नातेवाईकचा शोध होणेबाबत. मयताचे नांव - जानू रामचंद्र शिंदे वय 50 वर्षे, मयताचे वर्णन : 50 वर्षे वयाचा पुरुष जातीचा इसम रंग सावळा, बांधा सडपातळ, उंची साडेपाच फूट डोक्यावर काळे पांढरे केस, चेहऱ्यावर काळी पांढरी दाढी व मिशी, चेहरा लांबट, नाक सरळ नमूद इसमाचे नातेवाईक मिळून आल्यास मालाड पोलीस ठाणे फोन क्र. 02228821147, (तपासी अधिकारी) सहाय्यक पोलीस निरीक्षक दत्तात्रय पाटील, मो. क्र. 9823817550 या वर संपर्क करावा..

मुंबई-पुणे में भारी बारिश !

मुंबई, मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में जून के महीने में बारिश शुरू हो रही थी। हालांकि मौसम विभाग का अनुमान है कि जुलाई के पहले हफ्ते में राज्य में भारी बारिश होगी। इतना ही नहीं अगले 72 घंटे राज्य के लिए बेहद अहम हैं। क्योंकि तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। दक्षिण महाराष्ट्र से लेकर केरल तट तक कम दबाव का क्षेत्र बनने से राज्य में बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हैं और अनुमान है कि राज्य में भारी बारिश होगी। अगले 72 घंटों में मुंबई, ठाणे, पालघर, पुणे, सिंधुदुर्ग, रायगढ़ में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इस दौरान तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश होगी। इसलिए इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कोलाबा वेधशाला ने भविष्यवाणी की है कि मुंबई में बारिश की तीव्रता बढ़ेगी। पिछले 24 घंटों में राज्य में अच्छी बारिश हुई है। मुंबई सहित कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा में हल्की से मध्यम बारिश हुई। साथ ही 3 जुलाई तक राज्य में भारी बारिश का भी अनुमान है। आज मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पुणे, सिंधुदुर्गा में भारी बारिश की चेतावनी दी गई थी। कल पुणे के घाट मध्य में बारिश होगी। सिक के लिए येलो अलर्टइसके अलावा विदर्भ और मराठवाड़ा में भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। नांदेड़, परभणी, हिंगोली, धाराशिव, लातूर में बारिश का अनुमान है। नासिक, धुले, नंदुरबार में भी बारिश की संभावना जताई गई है। नासिक में बारिश को लेकर येलो अलर्ट दिया गया है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक नासिक रीजन में बारिश की संभावना जताई है।

नीति पेपर लीक खुलासे के तार महाराष्ट्र तक ..

बंगाली टीचर के तार कहां तक..

इसी तरह बहुत सारे बच्चों को बरगला कर लाखो रुपए फीस के रूप ऐठने, परीक्षा में पास करवाने, डमी परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा में बैठाने के साथ रीना मेहता कालेज के नाम पर ठगी करने के स्कैंडल का खुलासा .. पढ़े अगले अंक में

संसद में दहाड़ते रहे अखिलेश !

लखनऊ, 18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र के सातवें दनि मंगलवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और यूपी की कन्नौज लोकसभा सीट से सांसद अखिलेश यादव ने सदन में बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने पेपर लीक मुद्दा, अयोध्या, जातिगत जनगणना, एमएसपी, ओपीएस, अग्निवीर योजना जैसे कई मुद्दों पर बीजेपी सरकार का घेराव किया। इसके बात जो बात सबसे ज्यादा आश्चर्यजनक है। वो ये है कि जब अखिलेश यादव अयोध्या पर बोल रहे थे। तब अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद अखिलेश यादव के सामने हाथ जोड़कर खड़े हो गए। इसका फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद पहले संसद सत्र के सातवें दिन अखिलेश यादव ने लोकसभा स्पीकर के सामने अपनी बातें रखीं। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में पेपर लीक मुद्दे पर कहा पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? सच तो यह है कि सरकार ऐसा इसलिए कर रही है ताकि उसे युवाओं को नौकरी न देनी पड़े। इसके बाद उन्होंने यूपी का जिक्र करते हुए कहा जुमला बनाने वालों से विश्वास उठ गया। पिछले दस सालों में भाजपा सरकार के शासनकाल में यूपी के अंदर परीक्षा माफिया का जन्म हुआ है। अखिलेश ने आगे एक शेर पढ़ते हुए मजाकिया अंदाज में कहा हुजूर आला आज तक खामोश बैठे हैं इसी गम में महफिल लूट ले गया कोई जबकि सजाई थी हमने उन्होंने कहा कि जो कसिी को लाने का दावा करते थे, वो खुद लाचार हैं। लोकसभा में अखिलेश यादव ने कहा ईवीएम पर मुझे कल भी भरोसा नहीं था, आज भी नहीं है भरोसा, मैं 80/80 सीटें जीत जाऊं तब भी नहीं भरोसाश्र ईवीएम का मुद्दा खत्म नहीं हुआ है। यहां हारी हुई सरकार विराजमान है। ये चलने वाली नहीं गिरने वाली सरकार है। आवाम ने हुकूमत का गुरूर तोड़ा है। जनता कह रही, सरकार गिरने वाली है। संविधान रक्षकों की जीत हुई है। अखिलेश ने संसद सत्र के दौरान आगे कहा देश के सभी समझदार और ईमानदार मतदाताओं को धन्यवाद!

30 करोड़ का भव्य कन्वेंशन सेंटर सितंबर में तैयार !

झांसी, बुंदेलखंड का गौरव बढ़ाने वाला पहला कन्वेंशन सेंटर जो पॉलिटेक्निक मैदान में बन रहा है, सितंबर में अपने भव्य दरवाजे खोलने के लिए तैयार है। 2 हजार लोगों की क्षमता वाला यह अत्याधुनिक केंद्र झांसी विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा निर्मित किया जा रहा है। यह सेंटर न केवल सम्मेलन और संगोष्ठियों का आयोजन स्थल बनेगा, बल्कि यहां प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और शादी समारोह भी आयोजित किए जा सकेंगे।

30 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह सेंटर क्या खास है

विशाल हॉल: सेंटर में एक विशाल हॉल होगा जिसे आवश्यकतानुसार कई भागों में बांटा जा सकेगा।

एक साथ 5-6 कार्यक्रम: हॉल की विशालता यह सुनिश्चित करेगी कि यहां एक साथ 5-6 कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें।

आकर्षक डिजाइन: सेंटर की डिजाइन आधुनिक और आकर्षक है, जो इसे और भी खास बनाती है।

पर्यावरण अनुकूल: सेंटर के आसपास मियावाकी तकनीक से पौधरोपण किया गया है, जो पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद करेगा।

सुविधाओं का समावेश: सेंटर में पार्किंग, प्लाजा और अन्य आधुनिक सुविधाएं भी होंगी।

तेजी से चल रहा है निर्माण कार्य

जेडीए के उपाध्यक्ष आलोक यादव के अनुसार सेंटर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और ढांचा लगभग बनकर तैयार हो चुका है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह सेंटर सितंबर तक पूर्ण रूप से तैयार हो जाएगा।

बुंदेलखंड के लिए गौरव की बात

यह कन्वेंशन सेंटर न केवल झांसी, बल्कि पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए गौरव की बात होगी। यह क्षेत्र के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

योगी का कांग्रेस पर पलटवार

लखनऊ, संसद में अयोध्या में विस्थापितों को दिए गए मुआवजे को लेकर राहुल गांधी की ओर से की गई बयानबाजी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राहुल का बयान यूपी और अयोध्या को बदनाम करने के लिए दिया गया है। सदन में दिया गया राहुल का झूठा बयान अत्यंत ही निंदनीय और शर्मनाक है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में विभिन्न विकास कार्यों के दौरान विस्थापित हुए लोगों को 1733 करोड़ रुपये की धनराशि मुआवजे के तौर पर प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री सोमवार शाम अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। राहुल का बयान निंदनीय और शर्मनाक मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबने राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव में झूठे और गुमराह करने वाले वक्तव्य देते हुए देखा है। संविधान का गला घोंटने वाले लोगों ने संविधान के बारे में गुमराह करने वाले वक्तव्य देने के लिए विदेशी पैसे से के बल पर चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया था। एक लाख का फर्जी बॉन्ड भरवा कर भारत की माताओं और बहनों को गुमराह करने का कार्य किया। आज फिर इन्होंने झूठा बयान दिया है जोकि अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है। कांग्रेस झूठ का पुलिंदा है मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हर कोई जानता है कि अयोध्या को उसकी पहचान से किसने वंचित किया है। राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने न केवल अयोध्या को वनवास दिया था, बल्कि सरयू को भी रक्तरंजित किया था। आज जब अयोध्या अपने वैभव को पुनप्रतिष्ठापित करते हुए पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित कर रही है तो कांग्रेस इसे कैसे अच्छा मान सकती है। कांग्रेस झूठ का पुलिंदा है। सच ये है कि 1733 करोड़ रुपये केवल मुआवजे के लिए अयोध्या वासियों को उपलब्ध कराए हैं। चाहे रामपथ हो, भक्तिपथ हो, जन्मभूमि पथ हो या एयरपोर्ट हो, जिसकी जमीन, दुकान, मकान इसमें शामिल थी, उन्हें मुआवजा दिया गया है। जिनके पास पीछे दुकान बनाने की जगह थी, उनकी दुकानें बनी हैं, जिनके पास स्पेस नहीं था उन्हें मल्टी लेवल काम्प्लेक्स बनाकर दुकान देने के कार्य को आगे बढ़ाया गया। राहुल के बयान सत्य से परे झूठ का पुलिंदा हैं। यह यूपी और अयोध्या को बदनाम करने की साजिश है। यह भारत और अयोध्या की छवि को खराब करने की उस मानसिकता का हिस्सा है जो ये एक्सिडेंटल हिन्दू आजादी के बाद से लगातार करते आ रहे हैं।

राहुल गांधी को अदालत की हिदायत

सुल्तानपुर, भाजपा नेता अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ सुल्तानपुर की एमपीएमएलए कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। आज यानी 2 जुलाई को सुनवाई थी, लेकिन राहुल गांधी कोर्ट नहीं पहुंचे। कोर्ट में राहुल गांधी के अधिवक्ता ने सदन की कार्यवाही चलने के चलते राहुल गांधी के कोर्ट पहुंचने में असमर्थता जताई। इसके साथ हाजिरी माफी की मांग की। इसपर एमपीएमएलए कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए राहुल गांधी के मामले की सुनवाई की अगली तारीख 26 जुलाई तय कर दी। साथ ही सख्त हिदायत भी दी है कि अगर 26 जुलाई को राहुल गांधी प्रत्यक्ष रूप से कोर्ट नहीं पहुंचते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चार अगस्त 2018 को जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन विजय मिश्र ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। उन्हें कोर्ट ने 27 नवंबर 2023 को विचारण के लिए तलब किया था। राहुल गांधी ने 20 फरवरी को कोर्ट में हाजिर होकर अपनी जमानत कराई थी। उनके बयान दर्ज होने की कार्रवाई में मामला एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट में विचाराधीन है। मंगलवार को इस मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन राहुल गांधी प्रत्यक्ष रूप से कोर्ट नहीं पहुंचे।

विनोद एस.पी. सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 8887830802

भावनी बांध का गेट खुला 900 क्यूसेक पानी की रौद्र धारा बही

ललितपुर, रविवार को हुई भारी बारिश के बाद ललितपुर जिले के बांधों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बार क्षेत्र में स्थित नवनिर्मित भावनी बांध का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया था। इसे देखते हुए सोमवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बांध का एक गेट 20 सेंटीमीटर खोलकर 900 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू कर दी। अधिशासी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड प्रथम भागीरथ ने बताया कि बांध में पानी की मात्रा नियंत्रित करने और जलस्तर को खतरे के निशान से नीचे रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो बांध के और गेट खोले जा सकते हैं और पानी की निकासी की मात्रा भी बढ़ाई जा सकती है। इस बीच, बांध से पानी की निकासी को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता भी है। लोगों का कहना है कि इससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और बाढ़ के पानी से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाने की अपील की है।

चलती ट्रेन में बेशर्मी की हद

झांसी, जीटी एक्सप्रेस ट्रेन में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक सेना के जवान ने एक युवती से करीब 150 किलोमीटर तक छेड़खानी की। ग्वालियर से झांसी तक यह शर्मनाक घटना चलती रही, और रेलवे के अधिकारी मेमो-मेमो खेलते रहे। पूरी यात्रा के दौरान डरी-सहमी युवती सेकंड एसी कोच में बैठी रही, जबकि आरोपी बेखौफ होकर गंदे इशारे करता रहा। सुरक्षा के दावों के बीच यह घटना रेलवे की लापरवाही को उजागर करती है। रेलवे द्वारा सुरक्षित यात्रा के किए गए दावे इस घटना के बाद बेकार साबित होते हैं। शनिवार को जीटी एक्सप्रेस से जा रही एक युवती से सेकंड एसी कोच ए-1 में एक सैन्यकर्मी ने छेड़खानी की और रास्ते भर गंदे इशारे करता रहा। युवती की शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जीटी एक्सप्रेस जब ग्वालियर स्टेशन पहुंचने वाली थी, तब सेकंड एसी कोच ए-1 में सीट नंबर 47 पर बैठी युवती ने सैन्यकर्मी द्वारा छेड़खानी की शिकायत टीटीई डिप्टी सीटीआई एसके शर्मा से की। टीटीई ने कंट्रोल रूम को सूचना देकर सुरक्षा कर्मियों को ग्वालियर स्टेशन भेजने को कहा। ट्रेन रात 9.43 बजे ग्वालियर पहुंची, लेकिन सुरक्षा बल ने टीटीई से घटना का मेमो मांगा, जिसे देने से टीटीई ने इनकार कर दिया। ट्रेन जब रात 11.37 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पहुंची तो एमसीओ (सेना पुलिस), आरपीएफ और जीआरपी पीड़ित युवती के पास पहुंचे। लेकिन यहां भी टीटीई ने मेमो नहीं दिया, जिसके कारण कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। बाद में एमसीओ ने सैन्यकर्मी को ट्रेन से उतार लिया। इस घटना ने युवती को इतना डरा दिया कि अब वह अकेले सेकंड एसी कोच में भी यात्रा करने से डरेगी। उसने बताया कि ट्रेन मुरैना से निकलने के बाद शराब के नशे में धुत सैन्यकर्मी ने उससे छेड़खानी शुरू कर दी। सुरक्षा बल के जवान ग्वालियर स्टेशन पर आए लेकिन बिना कार्रवाई किए चले गए। इससे आरोपी के हौसले और बढ़ गए और वह झांसी आने तक युवती से छेड़खानी करता रहा।

पत्नी को डूबता देख पति ने काटी गर्दन

कानपुर, उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में सोमवार 1 जुलाई को घरेलू कलह से तंग आकर महिला ने गंगा नदी में कूदकर जान दे दी। पत्नी के पीछे दौड़ता आया पति ने जब उसे (पत्नी) को गंगा में डूबते देखा तो धारदार हथियार से अपनी गर्दन काट ली। वहीं इस घटना को देख आसपास के लोगों ने पुलिस को इस बात की सूचना दी। पुलिस ने घायल पति को आनन फानन में हैलट अस्पताल भेज मृत महिला का शव गंगा नदी से बरामद कर लिया। छह महीने पहले ही दंपति ने प्रेम विवाह किया था। कानपुर के किशनपुर गांव निवासी सुमेंद्र ने जनवरी 2024 में रूपा नाम की लड़की से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद से ही पति-पत्नी में किसी न किसी बात को लेकर अनबन और लड़ाइयां होती रहती थी। बीते सोमवार की देर शाम पति-पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद पत्नी रूपा गंगा नदी में जाकर कूद गई। रूपा के पीछे दौड़ते आए पति सुमेंद्र ने पत्नी को गंगा में डूबता देख खुद की गर्दन धारदार हथियार से काट ली। इस खौफनाक घटना को देख अफरा तफरी मच सी गई। मौके पर पहुंची कानपुर पुलिस ने मृतका के शव को गंगा से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गंभीर रूप से घायल पति सुमेंद्र का हैलट अस्पताल में इलाज चल रहा है।

शाहबुद्दीन गैंग का शूटर मोनू सिंह चवन्नी जौनपुर में ढेर

मऊ, जौनपुर के बदलापुर थानाक्षेत्र में पीली नदी के पास 2 जुलाई को हुई पुलिस मुठभेड़ में एक लाख का इनामी आरोपी सुमित सिंह उर्फ चवन्नी मारा गया। बिहार के शहाबुद्दीन गैंग का कुख्यात अपराधी सुमित सिंह उर्फ चवन्नी मऊ जिले के इमलिया का निवासी था। चवन्नी पर एक लाख का इनाम घोषित था। चवन्नी फिलहाल बिहार में रह कर शहाबुद्दीन गैंग के लिए काम करता था। 2 जुलाई को अलसुबह यूपी एसटीएफ और तीन बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस से चवन्नी को मार गिराया। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सुमित सिंह उर्फ चवन्नी पर 24 से ज्यादा मामले दर्ज थे। एसटीएफ से हुई मुठभेड़ में इसके 2 साथी भागने में सफल रहे। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें जगह जगह लगातार छापामारी कर रहीं हैं। सुमित सिंह उर्फ मोनू चवन्नी पर एक लाख का इनाम घोषित था। मोनू के पास से मुठभेड़ के बाद एके -47,एक 9-एमएम पिस्टल, एक बोलेरो जीप और भरी मात्रा में कारतूस बरामद किया गया है। सुमित सिंह उर्फ मोनू पर बलिया, गाजीपुर मऊ समेत बिहार पर 23 मुकदमे दर्ज थे। चवन्नी के एनकाउंटर को यूपी एसटीएफ के डीके शाही और उनके साथियों ने अंजाम दिया है।

भाजपा के पूर्व विधायक की लगी लॉटरी, एमएलसी नामांकन को पहुंचे लखनऊ

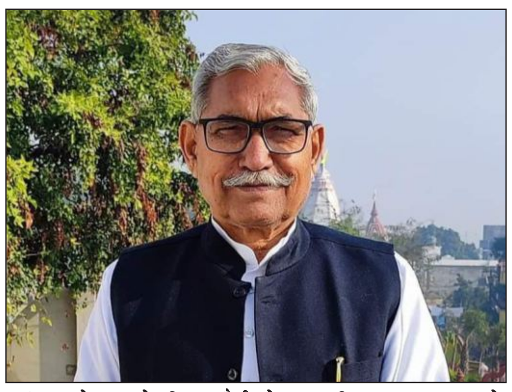

बरेली। भोजीपुरा विधानसभा से पूर्व विधायक बहोरन लाल मौर्य एमएलसी के लिए नामांकन करने लखनऊ पहुंच गए हैं। बहोरन लाल मौर्य का निर्विरोध एमएलसी बनना तय है। चर्चा है कि एमएलसी बनाने के बाद उन्हें मंत्री भी बनाया जा सकता है। स्वामी प्रसाद मौर्य और जितिन प्रसाद के इस्तीफे के बाद सीटें रिक्त हैं। बहोरन लाल मौर्य 2022 में भोजीपुरा सीट से समाजवादी पार्टी के शहजिल इस्लाम से चुनाव हार गए थे। इससे पहले वह दो बार भोजीपुरा से विधायक रह चुके हैं। अब उनके एमएलसी बनने के बाद भोजीपुरा विधानसभा सीट पर भाजपा का नया दावेदार होगा। अब देखना है कि भाजपा भोजीपुरा से मौर्य प्रत्याशी को ही मैदान में उतारेगी या कुर्मी नेताओं को भोजीपुरा विधानसभा से मौका दिया जाएगा। भोजीपुरा विधानसभा से ब्लॉक प्रमुख योगेश पटेल, प्रशांत पटेल समेत कई दावेदार रहे हैं। मौर्य वोटों को साधने के लिए भाजपा ने ब्रज के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य को बदायूं से चुनाव लड़ाया था। लेकिन वह चुनाव जीत नहीं पाए। स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे के बाद भाजपा मौर्य नेताओं को मजबूत करने की तैयारी में है। इसी दौरान आंवला से सपा ने नीरज मौर्य को प्रत्याशी बनाकर भाजपा से सीट झटक ली थी। इसके बाद से भाजपा किसी मौर्य चेहरे को आगे बढ़ाने की तैयारी में थी। इसी को ध्यान में रखते हुए 1996 और 2017 में भाजपा के टिकट पर विधायक बने बहोरन लाल मौर्य को एमएलसी बनाया जा रहा है। उनका निर्विरोध एमएलसी बनना तय है। इसके बाद उन्हें मंत्री बनाए जाने की भी चर्चा है। स्वामी प्रसाद मौर्य और जितिन प्रसाद दोनों उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री थे। उनके इस्तीफे के बाद अब बरेली से किसी मौर्य नेता को मंत्री बनाने की भी तैयारी शुरू हो गई है।

अवैध फाइनेंस कर्मियों की प्रताड़ना से युवक ने किया सुसाइड

आगरा, आगरा में फाइनेंस कर्मियों की मारपीट और बाइक छुडाने से आहत युवक ने फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस को मृत युवक की जेब से सुसाइड नोट मिला है। मामले की जांच की जा रही है। यह घटना थाना अछनेरा क्षेत्र के गांव भड़ीरी की है।

पुलिस ने बताया कि अछनेरा के भड़ीरी निवासी सतेंद्र उर्फ सत्तो रविवार को अछनेरा अपनी बाइक की सर्विस कराने आया था। शाम को बीच-बाजार फाइनेंस कर्मियों ने उसकी बाइक छीन ली। आरोप है कि युवक से मारपीट भी की गई। सरे बाजार बाइक छीनने और मारपीट से युवक काफी आहत हो गया। उसने घर जाकर गले में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। मृत युवक की जेब से सुसाइड नोट बरामद किया। थाना प्रभारी डीपी तिवारी ने बताया युवक के सुसाइड नोट में फाइनेंस कर्मियों की पिटाई से अपमान सहन न कर आत्महत्या करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस की जांच में चार फाइनेंस कर्मियों के नाम प्रकाश में आये हैं। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। मृत युवक सतेंद्र मजदूरी करता था। उसकी दो साल की एक बेटी है। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों ने अभी पुलिस को तहरीर नहीं दी है।

IAS किंजल सिंह फिर से सुर्खियों में यू-ट्यूबर पर केस दर्ज

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी किंजल सिंह ने एक यू-ट्यूबर के खिलाफ गोमतीनगर थाने में तहरीर दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उक्त यू-ट्यूबर ने उनके स्वर्गवासी माता-पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है और सोशल मीडिया पर गलत और आपत्तिजनक सूचना प्रसारित की है।

कौन हैं किंजल सिंह?

किंजल सिंह एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं, जिनकी प्रतिष्ठा प्रशासनिक क्षेत्र में उच्च स्थान पर है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं और उनकी कार्यशैली को सराहा गया है।

आरोप और कार्रवाई

किंजल सिंह ने आरोप लगाया है कि यू-ट्यूबर ने उनके स्वर्गवासी माता-पिता पर आपत्तिजनक और गलत टिप्पणी की है, जिससे उनकी और उनके परिवार की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची है। उन्होंने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस की जांच

गोमती नगर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यूट्यूबर ने यह सामग्री कैसे और क्यों प्रसारित की और इसके पीछे क्या मंशा थी।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री

यह मामला एक बार फिर सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली आपत्तिजनक सामग्री के मुद्दे को उजागर करता है। इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल संबंधित व्यक्तियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाती हैं, बल्कि समाज में गलत संदेश भी प्रसारित करती हैं। जनता से अपील की जाती है कि वे सोशल मीडिया पर सामग्री साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें और किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री से बचें।

योगिनी एकादशी पर विधि से करें तुलसी पूजा
मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न !

योगिनी एकादशी हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण व्रतों में से एक है, जिसे बहुत ही श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। यह व्रत खासकर उत्तर भारत में व्यापक रूप से मनाया जाता है। योगिनी एकादशी को अन्य एकादशियों की तरह ही विशिष्ट महत्व दिया गया है, क्योंकि यह न केवल आध्यात्मिकता को बढ़ावा देती है बल्कि स्वास्थ्य और जीवन की अन्य परेशानियों से भी मुक्ति दिलाती है।

साल में कुल 24 एकादशियां आती हैं और एक महीने में दो बार एकादशी आती है. हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी बहुत ही खास मानी जाती है. इस दिन भगवान विष्णु की उपासना की जाती है. हिंदू पंचांग के अनुसार, योगिनी एकादशी का व्रत आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है इसलिए, इसे आषाढ़ कृष्ण एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. 2 जुलाई यानी आज योगिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा. इस एकादशी का व्रत करने से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और पीपल के वृक्ष को काटने जैसे पाप तक से मुक्ति मिल जाती है. इस व्रत के प्रभाव से किसी के दिये हुए श्राप का निवारण भी हो जाता है. यह एकादशी देह की समस्त आधि-व्याधियों को नष्ट कर सुंदर रुप, गुण और यश देने वाली होती है.

योगिनी एकादशी का महत्व-

योगिनी एकादशी का व्रत आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। यह एकादशी विशेष रूप से भगवान विष्णु को समर्पित होती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। योगिनी एकादशी का उल्लेख कई पुराणों में मिलता है, जिनमें पद्म पुराण और श्रीमद्भागवत पुराण प्रमुख हैं।

पौराणिक कथा-

योगिनी एकादशी की एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा है। पद्म पुराण के अनुसार एक बार अलकापुरी के राजा कुबेर ने अपने नगर में हेममाली नामक एक माली को भगवान शिव की पूजा के लिए पुष्प लाने का आदेश दिया। हेममाली ने पुष्प तो लाए लेकिन वह अपनी पत्नी के प्रेम में इतना मग्न हो गया कि पूजा का समय भूल गया। इस भूल के कारण कुबेर ने उसे श्राप दिया और उसे कोढ़ी बनकर वन में रहने का आदेश दिया।

हेममाली वन में भटकता रहा और एक दिन उसने महर्षि मार्कंडेय को देखा। महर्षि ने उसकी स्थिति देखकर उसे योगिनी एकादशी का व्रत करने की सलाह दी। हेममाली ने व्रत किया और भगवान विष्णु की कृपा से उसे अपने पापों से मुक्ति मिली और उसका शरीर स्वस्थ हो गया।

व्रत विधि-

योगिनी एकादशी का व्रत बहुत ही सरल होता है, लेकिन इसे पूरी श्रद्धा और नियमों के साथ करना चाहिए। इस व्रत की विधि इस प्रकार है:

स्नान और शुद्धिकरण: एकादशी के दिन प्रातः काल में स्नान करके शुद्ध वस्त्र धारण करें।

पूजा स्थान की तैयारी: भगवान विष्णु की प्रतिमा या तस्वीर को साफ स्थान पर स्थापित करें। पूजा स्थल को साफ-सुथरा और पवित्र रखें।

संकल्प: व्रत का संकल्प लें और भगवान विष्णु के समक्ष धूप-दीप जलाएं।

पूजा: भगवान विष्णु की पूजा करें, उन्हें फूल, फल, तुलसी के पत्ते, और पंचामृत अर्पित करें। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें और विष्णु स्तोत्रों का जप करें।

उपवास: इस दिन पूर्ण उपवास रखें। यदि संभव हो तो जल भी न ग्रहण करें। यदि यह संभव न हो तो फलाहार कर सकते हैं।

जागरण: रात्रि को भगवान विष्णु के भजन-कीर्तन करें और जागरण करें।

द्वादशी पारण: द्वादशी के दिन प्रातः काल स्नान करके भगवान विष्णु की पूजा करें और ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान दें। इसके बाद स्वयं भोजन ग्रहण करें।

योगिनी एकादशी के व्रत से अनेक लाभ होते हैं, जिनमें प्रमुख हैं:

पापों का नाश: योगिनी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। यह व्रत सभी प्रकार के पापों को दूर करके आत्मा को शुद्ध करता है।

मोक्ष की प्राप्ति: इस व्रत से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और वह जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाता है।

स्वास्थ्य लाभ: योगिनी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है और उसे शारीरिक और मानसिक सुख की प्राप्ति होती है।

धन और संपत्ति की वृद्धि: इस व्रत से व्यक्ति के जीवन में धन और संपत्ति की वृद्धि होती है।

मानसिक शांति: इस व्रत से मानसिक शांति और सुख की प्राप्ति होती है।

आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है. इस बार 2 जुलाई 2024 के दिन ये व्रत रखा जाएगा. मान्यता है कि योगिनी एकादशी के दिन विष्णु जी की पूजा-अर्चना करने पर पापों से मुक्ति मिलती हैं. ये भी कहा जाता है कि इस व्रत को करने से मृत्यु के बाद भगवान विष्णु के चरणों में स्थान प्राप्त होता है. इस दिन व्रत रखने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर का फल प्राप्त होता है.

पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 01 जुलाई को सुबह 10:26 मिनट पर शुरू होगी. वहीं, इसका समापन 02 जुलाई को सुबह 08:42 मिनट पर पर होगा. ऐसे में 02 जुलाई को योगिनी एकादशी व्रत किया जाएगा.

योगिनी एकादशी पर 4 शुभ संयोग

धृति योग-

योगिनी एकादशी पर धृति योग का निर्माण हो रहा है. इस दिन धृति योग सुबह 11:17 मिनट तक है. इसके बाद शूल योग का निर्माण होगा. धृति योग में भगवान विष्णु की पूजा करना परम फलदायी होगा.

त्रिपुष्कर योग-

योगिनी एकादशी तिथि पर त्रिपुष्कर योग का निर्माण हो रहा है. इस योग का निर्माण सुबह 08:37 मिनट से हो रहा है और समापन 03 जुलाई को सुबह 04:40 मिनट पर होगा.

सर्वार्थ सिद्धि योग

योगिनी एकादशी तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है. इस योग का निर्माण सुबह 05:27 मिनट से हो रहा है और समापन 03 जुलाई को सुबह 04:40 मिनट पर होगा. इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी.

शिववास योग-

इस दिन शिववास योग का निर्माण हो रहा है. इस दिन भगवान शिव सुबह 08:42 मिनट तक कैलाश पर विराजमान रहेंगे. इसके बाद नंदी पर सवार रहेंगे. भगवान शिव के कैलाश और नंदी पर विराजमान रहने के दौरान अभिषेक करने से साधक को सभी कार्यों में सिद्धि प्राप्ति होती है.

पूजा के दौरान इन मंत्रों का करें जप -

विष्णु गायत्री मंत्र- ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात।।

विष्णु मंगल मंत्र- मङ्गलम् भगवान विष्णुः, मङ्गलम् गरुणध्वजः। मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः, मङ्गलाय तनो हरिः।।

योगिनी एकादशी व्रत के नियम- योगिनी एकादशी व्रत के दिन अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए. एकादशी का व्रत नहीं रखने वालों को भी चावल का सेवन नहीं करना चाहिए. इस दिन बाल, नाखून और दाढ़ी कटवाने की भूल न करें. योगिनी एकादशी के दिन ब्राह्मणों को कुछ दान अवश्य करना चाहिए.

एकादशी व्रत के पारण करने के बाद अन्न का दान करना शुभ माना गया है.

पारण का समय- इस व्रत का पारण 3 जुलाई सुबह 05 बजकर 28 मिनट से सुबह 07 बजकर 10 मिनट तक के बीच होगा।

शुभ रंग - पीला।

प्रिय भोग- धनिया की पंजीरी और पंचामृत।

प्रिय पुष्प - कमल, कदंब, अपराजिता।

योगिनी एकादशी सामग्री लिस्ट- वेदी पीला या लाल वस्त्र ऋतु फल दूध-दही शहद गोपी चंदन, हल्दी फूल लौंग आम का पत्ता नारियल और सुपारी, पान, धूप दीप दीया घी पीला चंदन अक्षत कुमकुम मिठाई तुलसी दल पंचमेवा धूप, दीपक बत्ती गंगाजल शुद्ध जल हवन कुंड हवन सामग्री एकादशी कथा की पुस्तक देवी लक्ष्मी के लिए श्रृंगार की सामग्री।

सावन में रखे जाएंगे 4 मंगला गौरी व्रत !

हिंदू कैलेंडर का चौथा महीना सावन 22 जुलाई 2024 से शुरू हो रहा है, 19 अगस्त 2024 को यह संपन्न होगा। आषाढ़ की देवशयनी एकादशी से भगवान शिव ही चार महीने के लिए सृष्टि का संचालन करते हैं। वहीं भगवान शिव के साथ माता गौरी की पूजा का विधान है। इसमें माता गौरी और भगवान शिव की पूजा की जाती है और यह व्रत हर सोमवार व्रत के अगले दिन रखा जाता है। यह व्रत सुहागिन महिलाएं और लड़कियां रखती हैं। मान्यता है कि इस उपवास को रखने से अखंड सुहाग, संतान प्राप्ति, संतान की रक्षा होती है। इसी के साथ दांपत्य जीवन में खुशहाली आती है। वहीं कुंवारी लड़कियों को इस व्रत से मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। हर सोमवार व्रत के अगले दिन मंगला गौरी व्रत पड़ता है। इसमें माता पार्वती के गौरा स्वरूप और भगवान शिव की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। इस साल सावन में चार मंगला गौरी व्रत पड़ेंगे। पहला मंगला गौरी व्रत 23 जुलाई को है और आखिरी मंगला गौरी व्रत 13 अगस्त को है। आइये जानते हैं कब से शुरू होगा मंगला गौरी व्रत और पहला मंगला गौरी व्रत कब रखा जाएगा।

सावन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा का आरंभ: रविवार 21 जुलाई 2024 को दोपहर 03:46 बजे से

सावन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा का समापन: सोमवार 22 जुलाई को दोपहर 01:11 बजे तक

इसलिए सावन महीने का आरंभ (उदयातिथि में): सोमवार, 22 जुलाई

पहला मंगला गौरी व्रत: 23 जुलाई

दूसरा मंगला गौरी व्रत: 30 जुलाई

तीसरा मंगला गौरी व्रत: 6 अगस्त

चौथा मंगला गौरी व्रत: 13 अगस्त

मंगला गौरी व्रत पूजा विधि- मंगला गौरी व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र पहनें।

एक चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं और उस पर मां गौरी की प्रतिमा और व्रत का सामान रख दें।

इसके बाद मां मंगला गौरी के सामने व्रत का संकल्प करें और आटे से बना हुआ दीपक जलाएं। फिर मां गौरी की विधि पूर्वक पूजा करें, उन्हें फल-फूल, धूप-दीप अर्पित करें। माता के मंत्रों का जाप करें, मां की आरती करें और सुख-समृद्धि की प्रार्थना कर पूजा पूरी करें।

मंगला गौरी पूजा के मंत्र-

सर्वमंगल मांगल्ये, शिवे सर्वार्थ साधिके. शरणनेताम्बिके गौरी नारायणी नमोस्तुते ।।

ह्रीं मंगले गौरि विवाहबाधां नाशय स्वाहा ।।

मंगला गौरी व्रत का महत्व- मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए खास होता है। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं के निराकरण के लिए रखती हैं। मान्यता है कि इससे अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। मंगला गौरी का व्रत रखने से कुंडली का मंगल दोष दूर होता है। कुंआरी लड़कियां अच्छे वर की प्राप्ति के लिए व्रत रखती है। इसके अलावा महादेव और मां पार्वती की पूजा साथ करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

प्रारंभ-मंगला गौरी व्रत का प्रारंभ श्रावण मास के पहले मंगलवार से होता है। यह व्रत पूरे श्रावण मास के सभी मंगलवार को किया जाता है। श्रावण मास, जिसे सावन भी कहा जाता है, विशेष रूप से भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा का महीना माना जाता है। इस महीने में किए गए व्रत और पूजा का विशेष महत्व होता है।

इतिहास- मंगला गौरी व्रत का उल्लेख कई पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। यह व्रत विशेष रूप से देवी पार्वती की पूजा के लिए किया जाता है, जिन्हें गौरी के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या और व्रत किए थे। उनकी तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इस व्रत को करते समय महिलाएं देवी पार्वती की पूजा करती हैं और उनकी कृपा से अपने वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि की कामना करती हैं।

मेष राशि वालों पर इस डेट से शुरू होगी साढ़ेसाती

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब शनि देव किसी राशि के दूसरे और बारहवें भाव या राशि में गोचर करते हैं, तब उस राशि पर शनि की साढ़ेसाती शुरू हो जाती है। बता दें कि शनि सबसे धीमी चाल चलने वाले ग्रह हैं। ये ढाई साल में एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं। इसी कारण शनि की साढ़ेसाती का असर ढाई-ढाई साल के तीन चरणों में अलग-अलग होता है। इन्हीं तीन चरणों से साढ़े सात साल में साढ़ेसाती पूरी होती है और इस अवधि को बेहद कष्टकारी माना जाता है। विशेष बात है कि शनि जिस राशि में भ्रमण करते हैं उससे एक राशि पहले और एक राशि बाद पर सबसे अधिक असर डालते हैं। इसके कारण शनि का गोचर किसी राशि से शनि की ढैय्या और साढ़ेसाती समाप्त करता है तो किसी राशि पर शुरू करता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार हर व्यक्ति के जीवन में कम से कम एक बार शनि की ढैय्या और साढ़ेसाती जरूर आती है। वैसे तो यह अशुभ ग्रह माना जाता है लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह कर्म का फल देने वाले दंडाधिकारी हैं और ये अच्छे काम का अच्छा फल देते हैं और वर्ना प्रकोप झेलना पड़ता है और रंक को राजा बना देते हैं।

2025 में मेष राशि पर शनि की साढ़ेसाती

अब 29 मार्च 2025 को शनि गोचर करेंगे और शनि कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करेंगे। इसी के साथ मकर राशि से साढ़ेसाती समाप्त हो जाएगी और मेष राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू हो जाएगी। शनि की साढ़ेसाती लगने से जातक को जीवन में कई तरह की समस्याओं और अड़चनों का सामना करना पड़ता है। इनके कार्य पूरे नहीं हो पाते हैं और बहुत प्रयास करने के बाद भी मुश्किल से सफलता मिलती है। और मेष राशि के लोगों को भी अब तैयार रहना होगा। हालांकि कुछ ज्योतिषीय उपायों से शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

मेष राशि वालों पर शनि साढ़ेसाती का प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अगले साल मार्च से मेष राशि वालों पर साढ़ेसाती शुरू होगी। इस समय शनि साढ़ेसाती के प्रभाव के कारण मेष राशि वालों को धन के मामले में थोड़ा संभलकर रहना होगा। अधिक खर्च करने से बचें और पैसों की बचत पर फोकस करें। इस समय वाद-विवाद से दूर रहें और किसी अनजान पर भरोसा करने से पहले खूब जांच परख लें। शनि साढ़ेसाती की अवधि में पैसों के लेन-देन को

लेकर भी सावधान रहना होगा। इसके अलावा सेहत का ख्याल रखना होगा।

साढ़ेसाती के बुरे प्रभाव कम करने के उपाय - ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अगर आपकी शनि की साढ़ेसाती चल रही है और इसके कारण जीवन में कई कष्टों का सामना करना पड़ रहा है तो इससे छुटकारा पाने के लिए ये ज्योतिषीय उपाय करने चाहिए।

जुलाई में राशियों के करियर में आएगा उतार चढ़ाव !

राशिफल के अनुसार तुला राशि वालों के करियर के लिए साल का सातवां महीना बेहद शानदार रहेगा। हालांकि नौकरी में किसी तरह का बदलाव नहीं आएगा। वहीं पढ़ाई लिखाई में बहुत अधिक मेहनत करनी होगी। पारिवारिक जीवन के लिए जुलाई बेहद शानदार रहेगा। हालांकि कड़वी बातें बोलने से बचें। प्रेम और वैवाहिक जीवन में चुनौतियां रहेंगी। अपने परिवार और प्यार के बीच तुला राशि वाले उलझे हुए महसूस करेंगे। जुलाई में तुला राशि वालों की आर्थिक स्थिति कभी अच्छी रहेगी, कभी मुश्किल। हालांकि जुलाई में तुला राशि वालों के जीवन में राजयोग सरीखे फल आ सकते हैं। आपको इन अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। जुलाई में तुला राशि वालों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक मासिक राशिफल जुलाई के अनुसार वृश्चिक राशि वालों के लिए जुलाई का महीना उतार-चढ़ाव वाला है। कार्यक्षेत्र में सावधान रहना होगा, वर्ना कोई बड़ी समस्या सामने आ सकती है। विद्यार्थियों का दिमाग तेजी से काम करेगा और छोटी बड़ी बात आसानी से समझ लेंगे। पारिवारिक जीवन के लिए जुलाई मिश्रित फल देगा। भाई बहनों का सहयोग मिलेगा, अनुकूल वार्तालाप होगा परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

धनु राशि- मासिक धनु राशिफल के अनुसार जुलाई का महीना धनु राशि वालों को करियर के लिहाज से मध्यम फल देने वाला है। इस दौरान कड़ी मेहनत के साथ आपको सावधानियां रखनी होंगी।

इससे आप अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल होंगे। विद्यार्थी हैं तो जुलाई में जल्दी-जल्दी विषयों को पढ़कर समझने की स्थिति में रहेंगे।

मकर राशि-मकर राशि के लोगों के लिए जुलाई बेहद शानदार रहने वाला है।

हालांकि कार्यस्थल पर विरोधी आपके खिलाफ कोई बड़ा कदम उठाने का प्रयास करेंगे लेकिन आप अपनी सूझबूझ से उन पर पार पा लेंगे।

कुंभ राशि- मासिक कुंभ राशिफल के अनुसार जुलाई में कुंभ राशि वालों का करियर शानदार रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में लोग आपकी सहायता करेंगे। हालांकि बीच-बीच में थोड़ी परेशानियां भी आएंगी, जिनसे निपटने के लिए सूझबूझ दिखानी होगी।

मीन राशि- जुलाई मीन राशिफल के अनुसार मीन राशि वालों के लिए जुलाई महीने में करियर मिलेजुले परिणाम मिलेंगे। हालांकि कार्यक्षेत्र पर सहकर्मी आपका साथ देंगे जिससे आपका प्रदर्शन सुधरेगा। सभी से सहयोग बनाएं रखें.

सदानंद होटल के अवैध निर्माण पर कब चलेगा मनपा का हथौड़ा ?

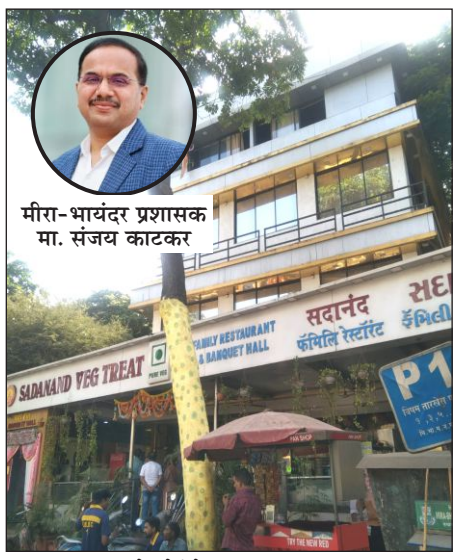

मीरा-भायंदर प्रशासक मा. संजय काटकर

भायंदर, यह देश का बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि गरीबों के खिलाफ अगर एक शिकायत हो जाये तो वो सलाखों के अंदर नजर आता है परंतु जिसके पास पैसा और पावर है वह कानून के शिकंजों से दूर नजर आता है। अब सवाल यह है कि महानगर पालिका का काम है लोगों की जन सुविधाओं का ख्याल रखना व विकास कार्यों पर ध्यान देना, परन्तु मीरा भायांदर मनपा प्रशासन के भ्रष्ट अधिकारी इन जनहित मुद्दों को दरकिनार करते हुए भ्रष्टाचार की चाशनी में इस कदर डूब चुके हैं कि उन्हें जनता जनार्दन की कोई फिक्र नहीं है। इनके इन्हीं भ्रष्टाचारी रवैये के कारण गरीब मज़दूर व आम जनता के हक की रोटी छिनने व उनके जान-माल से खिलवाड़ कर रहे हैं। भायंदर पश्चिम प्रभाकर 02 अंतर्गत सदानंद होटल का अवैध निर्माण पूर्व अतिक्रमण प्रमुख अजीत मूठे ने दूसरा महला पूरा तोड़ा था यह पूरे मनपा विभाग को पता है कई लोगों ने शिकायत की थी लेकिन जैसे ही अजीत मूठे का तबादला हुआ वैसे ही होटल के मालिक ने रातों-रात होटल के दूसरे मालिया को बना दिया। अब जनता टूटा हुआ देखना चाहती है। नए प्रशासक संजय काटकर क्या इसे तोड़ेंगे दूध का दूध, पानी का पानी करेंगे लोगों में चर्चा का विषय पूर्व प्रभाग अधिकारी ने रिश्वत की मलाई खाकर अवैध निर्माण को बनाने में मदद की इसलिए होटल का अवैध निर्माण टूटना चाहिए.

नीट परीक्षा मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 8 जुलाई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। विवादों से घिरी मेडिकल में प्रवेश की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आठ जुलाई को सुनवाई करेगा। इनमें पांच मई को हुई परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली तथा इसे नए सिरे से कराए जाने का अनुरोध करने वाली याचिकाएं शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर आठ जुलाई के लिए अपलोड वाद सूची के अनुसार प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ 26 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। उल्लेखनीय है कि देशभर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा नीट-यूजी आयोजित की जाती है। पांच मई को नीट-यूजी का आयोजन 4,750 केंद्रों पर कराया गया था और इसमें लगभग 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पहले इस परीक्षा के परिणाम 14 जून को आने की उम्मीद थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन समय से पहले पूरा होने पर परिणाम चार जून को घोषित कर दिए गए थे। प्रश्नपत्र लीक समेत अनियमितताओं के आरोपों को लेकर कई शहरों में प्रदर्शन हुए और राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए। सुप्रीम कोर्ट ने कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने और अन्य गड़बड़ियों के आधार पर नीट-यूजी 2024 को फिर से कराने के अनुरोध वाली याचिका पर 11 जून को सुनवाई करते हुए कहा था कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित हुई है और उसने केंद्र सरकार व एनटीए से इस पर जवाब मांगा था। हालांकि अदालत ने सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

जुगार माफियाओं का अड्डा बना कल्याण डोम्बिवली शहर ..

डोम्बिवली रेलवे स्टेशन के सामने एवं भाजी मार्किट में स्थानीय पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे चल रहा जुगार ..

श्री. एस बी गुंजाळ
पोलीस उप आयुक्त (परिमंडळ-3)

डोम्बिवली पूर्व। ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को.?

सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मटका, जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद डोम्बिवली शहर में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा डोंबीवली पुलिस स्टेशन (रामनगर) अंतर्गत डोम्बिवली पूर्व रेलवे स्टेशन के सामने साई पूजा के पास में मटका, चक्री, भवरा, लट्टू व अन्य जुगार बड़े पैमाने पर हिस्ट्रीशीटर एवं जुगार माफिया गणेश सेठ द्वारा जुगार बड़े पैमाने पर 20-25 राईटरो के माध्यम से चलाया जा रहा है। वही दूसरा जुगार क्लब फड़के रोड पर भाजी मार्केट रघुकुलदीप सोसायटी मे रात दिन रतन सेठ द्वारा चलाया जा रहा है। उक्त जुगार अड्डे में ग्राहकों को खास ख्याल रखते हुए मदिरा एवं जोरू की भी व्यवस्था की जाती है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय द्वारा ईमेल से स्थानीय डोंबीवली (रामनगर) पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त परिमंडल -3 एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

मुंबई पुलिस की समाजसेवा शाखा हुई नाकाम !

मसाज की आड़ में देह व्यापार का नया अड्डा?

खुलेआम चल रहा है सलून एवं स्पा !

मा. आनंद भोईटे (पुलिस उपायुक्त परि.-11)

कांदिवली। मुंबई शहर मे अवैध रूप से चल रहे ब्यूटी पार्लर, स्पा, मटका, जुगार क्लब, डांस बार एवं नशीले ड्रग्स एवं अन्य व्यवसाय पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे पुलिस आयुक्त? मुंबई पुलिस एवं अनैतिक देह व्यापार माफियाओ का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा? ऐसी चर्चा मुंबई शहर के रहिवासियों में है! आपको बता दें कि कांदिवली पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में अवैध रूप से चलने वाले धंधों की भरमार है। अनेक अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। वही स्पा की आड़ मे देह व्यापार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि अनैतिक देह व्यापार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुसार कोरोना काल ख़त्म होने बाद पार्लर और मसाज सेंटर जहां फिर से धड़ाधड़ खुलने लगे हैं वहीं पुलिस विभाग की शिथिलता से गली-गली में स्पा पार्लर कुकुरमुत्तों की तरह खुल गए हैं जिसका संरक्षण करने का आरोप स्थानीय पुलिस पर लगता है। इसी तरह कांदिवली पुलिस स्टेशन के हद में एम जी रोड पर डहानूकरवाड़ी ब्रिज के पहले स्मायन सलून एवं स्पा चलाया जा रहा है। जहां चल सैलून एवं स्पा के आड़ मे देह व्यवसाय करने का आरोप स्थानिय लोग लगाते हैं। वही स्थानीय लोंगो का कहना है कि स्पा के अंदर पार्टीसन रूपी केबिन और केबिन के अंदर लॉक सिस्टम यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं स्पा के अंदर गलत चल रहा है. वहीं आसपास के लोगों का कहना है कि स्पा संचालक चुंकि एक राजनितिक पार्टी से जुड़ा हुवा है इसलिए पुलिस कार्यवाई करने की बजाय उसका संरक्षण करती है। आस-पास के लोगों का कहना है कि इसका समाज पर गलत असर पड़ रहा है। बताया जाता है कि जब से कांदिवली पुलिस स्टेशन में नियुक्त वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक का आगमन हुआ है तब से इन्हें विशेष संरक्षण दिया जा रहा है, स्थानिय लोगों की शिकायतों को नजर-अंदाज कर स्पा और मसाज सेंटर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ठाणे शहर!

भिवंडी शहर में स्थानीय पुलिस की मदद से चलाया रहा जुगार क्लब?

बार बार शिकायतों के बावजूद कुंभारवाडा (भिवंडी सिटी पुलिस स्टेशन) एवं सम्बंधित पुलिस विभाग द्वारा नहीं होती होती है कार्यवाई?

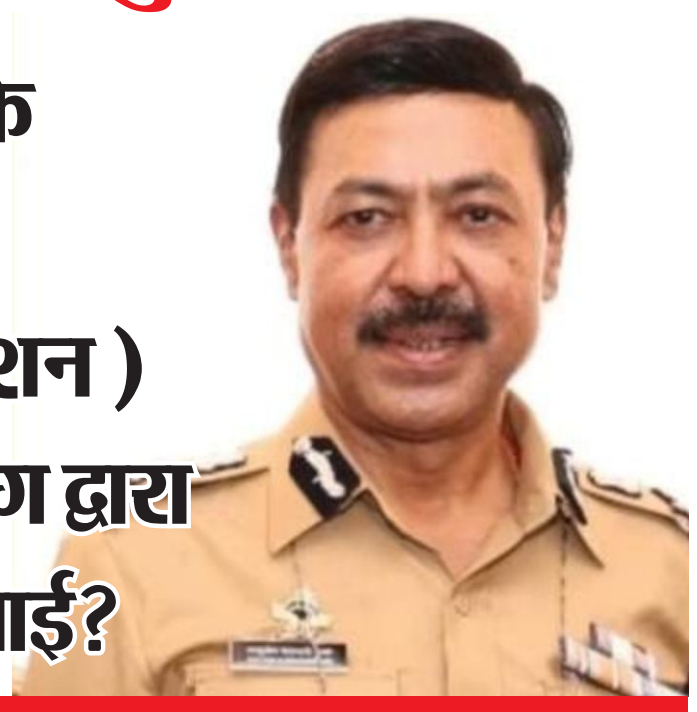

जनता पूछ रही है आखिर जुगार क्लब पर कब होगी कार्यवाई?

भिवंडी। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के भिवंडी शहर में अवैध रूप से चल रहे जुगार के धंधों पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे ठाणे पुलिस आयुक्त? ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा ठाणे के भिवंडी शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। मटके और जुगार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के भिवंडी शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में कनेरी तेलीपाड़ा आगरा रोड पर पारसिक बैंक के पास फिलिप एकेडमी बोर्ड की आड़ में डॉ. सेनापति हॉस्पिटल के सामने बंडू सेठ एवं सिकंदर बादशाह नामक जुगार माफिया द्वारा जुगार क्लब दिन-रात चलाया जा रहा है। उक्त जुगार क्लब में प्लास्टिक क्वाइन के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ हेराफेरी भी किया जाता है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार माफियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

जरूरत से ज्यादा आम खाने के नुकसान !

गर्मियां मतलब आम ही आम। यह मौसम कई लोगों को इसलिए पसंद होता है, क्योंकि इस दौरान अलग-अलग तरह के ढेर सारे आम खाने को मिलते हैं। मीठे रसीले आम शायद ही किसी को पसंद नहीं होते। आम की इसी दीवानी को देखते हुए भारत में इसकी ढेरों किस्में उगाई जाती हैं। फलों के राजा आम के मीठे और रसीले स्वाद का हर कोई दीवाना होता है।

लोग आमतौर पर इसे मैंगो शेक, आमरस, आइसक्रीम आदि के रूप में खाना पसंद करते हैं। कई पोषक तत्वों से भरपूर आम सेहत के लिए भी काफी लाभकारी होता है। हालांकि, जरूरत से ज्यादा इसे खाने के लिए नुकसान हो सकते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आपको ज्यादा मात्रा में इसे खाने की नुकसान के बारे में पता हो। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे एक दिन में एक-दो आम से ज्यादा खाना कैसे आपके लिए हानिकारक हो सकता है।

अपच की समस्या-

आर्टिफिशियल तरीके से कार्बाइड की मदद से पकाए गए आम खाने से अपच कब्ज एसिडिटी उल्टी और मितली की समस्या उत्पन्न हो सकती है। हमेशा नेचुरल तरीके से पके आम का ही सेवन करें। आम खाने के तुरंत बाद पानी पीने से भी ब्लोटिंग या पेट दर्द की समस्या हो सकती है।

डायरिया- एक दिन से एक-दो से ज्यादा आम खाने की वजह से डायरिया की समस्या हो सकती है।

वजन बढ़ना- आम को लंच या डिनर के साथ खाने से वजन बढ़ने का डर बना रहता है। इसलिए दिनभर में एक या दो से अधिक आम न खाएं और इसे एक मील या स्नैक के रूप में खाएं। आम का मिल्क शेक, मैंगो शेक या कस्टर्ड बना कर खाने से वजन बढ़ता है।

एलर्जिक रिएक्शन- आम में फाईटिक एसिड पाया जाता है, जो शरीर के अंदर गर्मी पैदा करता है, जिससे कई प्रकार के एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं, जैसे चेहरे पर मुंहासे, स्किन पर रैशेज आदि। आम को पानी में कुछ देर भिगो कर खाने से ऐसे रिएक्शन को कुछ हद तक दूर किया जा सकता है।

ब्लड शुगर स्पाइक- आम में नेचुरल शुगर अधिक मात्रा में पाए जाते हैं, जिसके कारण डायबिटीक लोगों को इसका बहुत अधिक सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये तेजी से शुगर स्पाइक करता है।

खाने से कहीं ज्यादा जरूरी है शरीर के लिए पानी...

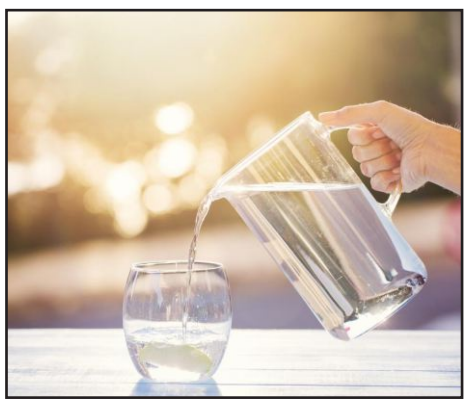

जल ही जीवन है, ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि बिना पानी के पृथ्वी पर जीवन संभव ही नहीं। ऐसा नहीं कि पानी की आवश्यकता सिर्फ मनुष्यों को ही होती है, जानवरों और पेड़-पौधों के भी लिए भी पानी बेहद जरूरी है। हमारे शरीर का 70फीसदी हिस्सा पानी से बना हुआ है। वैसे तो यह कई तरह के कार्यों में मदद करता है, लेकिन यूरिन और पसीने के रूप में शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालना इसका मुख्य काम है। कुल मिलाकर सेहत को दुरुस्त बनाए रखने और शरीर के कामकाज को सुचारू रूप से चलाने का सबसे आसान, कारगर तरीका पर्याप्त मात्रा में पानी पीना है।

पानी पीना क्यों जरूरी है?

पानी सिर्फ प्यास नहीं बुझती, बल्कि इससे सेहत को भी अनगिनत फायदे मिलते हैं। पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स, सोडियम, पोटैशियम जैसे मिनरल्स होते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं, साथ ही डिहाइड्रेशन से भी बचाते हैं।पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर के तापमान को कंट्रोल में रखा जा सकता है साथ ही इससे पाचन से जुड़ी दिक्कतें भी दूर रहती हैं।

पाचन और पोषक तत्वों का अवशोषण-

खाना पचाने के लिए पानी बहुत जरूरी है। यह भोजन को तोड़ने और पोषक तत्वों को शरीर में आसानी से पहुंचाने में मदद करता है। पानी की कमी से कब्ज, अपच, बदहजमी जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

जोड़ों को चिकनाई देना और सुरक्षा देना-पानी जोड़ों को चिकनाई देता है और दौड़ने, चलने-फिरने, कसरत आदि के दौरान सुरक्षित रखता है। जिससे चोट और दर्द का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालना- पानी पेशाब और पसीने के जरिए शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। बॉडी में गंदगी जमा होते रहने से किडनी को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

हाइड्रेटेड रहने के फायदे- बॉडी को हाइड्रेट रखने से कई तरह के फायदे मिलते हैं।

शरीर रहता है चुस्त-दुरुस्त- डिहाइड्रेशन से थकान का एहसास होता रहता है। वहीं पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से एक्सरसाइज या अन्य दूसरी फिजिकल एक्टिविटी के दौरान बॉडी एनर्जेटिक बनी रहती है।

ब्रेन रहता है एक्टिव- शरीर में पानी की कमी से जहां सोचने-समझने और फोकस करने में प्रॉब्लम होती है, वहीं जब आप सही मात्रा में पानी पीते हैं, तो ये सारी परेशानियां दूर होती हैं।

खाली पेट अदरक का पानी पीने से लौट आएगी चेहरे की चमक

दिन की शुरुआत हेल्दी चीजों के सेवन के साथ हो, तो हम पूरे दिन एनर्जी से भरपूर रहते हैं। इसमें खासकर फिटनेस पसंद लोग खुद को फिट और एक्टिव बनाए रखने के लिए सुबह की शुरुआत में हर रोज कुछ न कुछ नया ट्राई करते हैं। जिसमें वे तुलसी का काढ़ा, अजवाइन या जीरे का पानी, नींबू पानी आदि पीना पसंद करते हैं।

वहीं कुछ लोग सुबह की शुरुआत लोग गर्मा-गर्म अदरक वाली चाय के साथ करते हैं। अदरक वाली कड़क चाय तन और मन को तरोताजा कर देती है। ऐसे में यदि आप सुबह के वक्त खाली पेट अदरक वाला पानी पीते हैं, तो इसके कई फायदे है। एंटी-इंफ्लेमेट्री गुणों से भरपूर अदरक से बना काढ़ा हो, चाय हो या फिर पानी ही क्यों न हो, ये सभी काफी लाभदायक होते हैं। अदरक का पानी तो अनेक तरह से स्वास्थ्यवर्धक होता है, जिसके कारण इसे सुबह के वक्त जरूर पीना चाहिए।

तो आइए जानते हैं सुबह अदरक का पानी क्यों पीना चाहिए इन कारणों के बारे में।

पाचन शक्ति बढ़ती है-

खाली पेट अदरक का पानी पीने से पाचन क्रिया तंदरुस्त रहती है और कब्ज, मतली, सूजन, उल्टी और दस्त जैसी समस्याओं से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल को कम करने का काम भी करता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है।

इम्यून सिस्टम मजबूत बनाता है-

अपने हर दिन की अच्छी शुरुआत, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर अदरक के पानी से करने पर इम्यून सिस्टम को बढ़ावा मिलता है। अदरक में सूजन रोधी गुण होता है जो इन्फेक्शन के जोखिम को कम करता है और समग्र प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाए रखता है।

सूजन और दर्द से राहत दिलाता है-

अदरक में मौजूद जिंजरोल और शोगोल जैसे कंपाउंड में सूजन रोधी गुण होते हैं, जो गठिया, हृदय रोग सहित सूजन संबंधी समस्याओं से बचाए रखने में सहायक होते हैं।

वेट लॉस में सहायक-

अदरक थर्मोजेनेसिस को बढ़ावा देकर मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। यह शरीर में कैलोरी बर्न करने की एक प्रक्रिया है, जिससे वेट लॉस करने में मदद मिलती है।

स्किन हेल्दी रहती है-

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर अदरक फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता है। ये फ्री रेडिकल्स उम्र बढ़ने और त्वचा को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में एंटीऑक्सीडेंट युक्त अदरक स्किन को यूवी किरणों से होने वाले स्किन संबंधी समस्याओं से बचाता है।

बदलते मौसम में परेशान कर सकता है जॉइंट पेन पाएं राहत

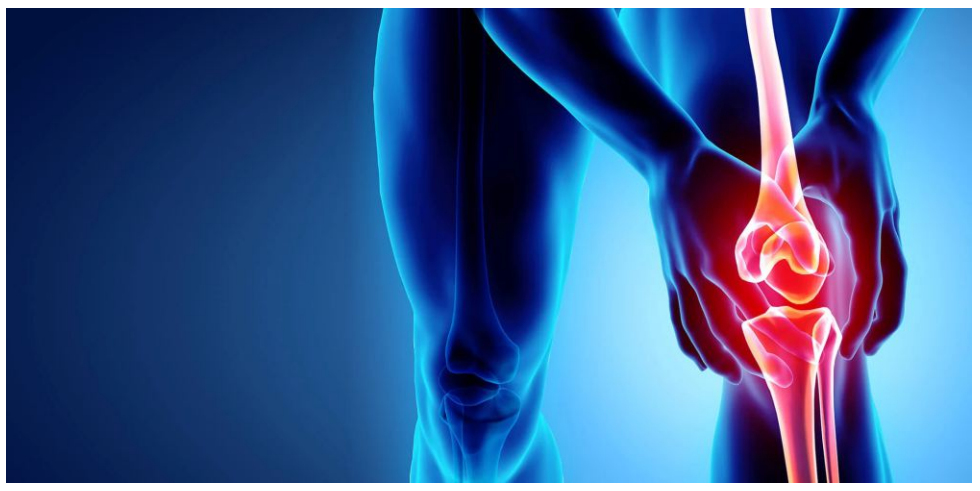

मौसम में बदलाव के साथ ही, जोड़ों में अकड़न और दर्द की समस्या बढ़ जाती है। अब तेज चिलचिलाती गर्मी के बाद मानसून ने दस्तक तो दे दी है, लेकिन वातावरण में हवा का दबाव कम होने के कारण गठिया और जोड़ों के दर्द से पीड़ित लोगों में ज्वॉइन्ट पेन की समस्या बढ़ सकती है। जोड़ों में दर्द की वजह से रोजमर्रा के काम करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यह दिक्कत खासकर उठते और बैठते समय ज्यादा महसूस होती है। जोड़ों के दर्द के पीछे वैसे और भी कारक होते हैं, जिनके कारण आजकल कम उम्र में भी लोग इस समस्या का शिकार हो जाते हैं। इसके पीछे एक सबसे महत्वपूर्ण कारण गतिहीन जीवनशैली भी है। लाइफस्टाइल एक्टिव न होने की वजह से भी जोड़ों से जुड़ी समस्या हो जाती है। मानसून में बारिश के कारण भी फिजिकल एक्टिविटी प्रभावित होती है। इसलिए जरूरी है कि इस बदलते मौसम में अपने जोड़ों को हेल्दी रखने और उनके दर्द को कम करने के लिए जरूरी है कि हम कुछ टिप्स फॉलो करें।

मानसून में कैसे पाएं जोड़ों के दर्द से राहत?

हेल्दी डाइट खाएं-हड्डियों और मांसपेशियों की मजबूती के लिए कैल्शियम प्रोटीन और विटामिन-डी बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए अपनी डाइट में इनसे भरपूर फूड्स को शामिल करें। साथ ही, विटामिन-बी12 और मैग्नीशियम से भरपूर फूड्स भी खाएं। इससे जोड़ो को मजबूती मिलेगी और दर्द से आराम भी।

एक्सरसाइज करें- जोड़ों के दर्द से बचने के लिए या उसे कम करने के लिए एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी है। फिजिकल एक्टिविटी कम होने के कारण जोड़े जाम होने लगता हैं, जिसकी वजह से उनमें अकड़न और दर्द की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए रोजाना एक्सरसाइज जरूर करें। इसके लिए आप योग, वाकिंग आदि कर सकते हैं। साथ ही, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल, पैदल मार्केट तक जाना जैसे छोटे बदलावों से लाइफस्टाइल को भी एक्टिव बना सकते हैं।

वजन कम करें- अगर आपका वजन ज्यादा है, तो इसकी वजह से आपके जोड़ों पर ज्यादा दबाव पड़ता है, जिसके कारण उनमें दर्द की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए वजन कम करने की कोशिश करें। इसके लिए हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज की मदद लें।

हॉट-कोल्ड थेरेपी लें-

आईस पैक या हॉट वाटर बैग की मदद से भी जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद मिलती है। इसलिए अगर आपके जोड़ों में ज्यादा दर्द है, तो इस थेरेपी की मदद लें। इससे आपके जोड़ों को आराम मिलेगा। यह इसलिए कारगर है क्योंकि हॉट थेरेपी से टेंडन्स की अकड़न कम होती है और दर्द से आराम मिलता है। ऐसे ही, कोल्ड थेरेपी दर्द वाली जगह को कुछ देर के लिए सुन्न कर देती है, जिससे दर्द का एहसास नहीं होता।

जॉइंट पेन से राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे-

1. हल्दी- हल्दी में करक्यूमिन नामक एक यौगिक होता है, जिसमें शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं. यह जोड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद कर सकता है.

इस्तेमाल करने का तरीका

1 कप गर्म दूध में 1 चम्मच हल्दी पाउडर और थोड़ा सा शहद मिलाएं. इस मिश्रण को रोजाना सुबह और शाम पिएं.आप हल्दी को अपनी दाल, सब्जी या करी में भी मिला सकते हैं.

2. अदरक- अदरक में भी एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं.

इस्तेमाल करने का तरीका- 1कप गर्म पानी में 1 इंच अदरक का टुकड़ा कद्दूकस करके डालें.

5 मिनट तक उबालें और फिर छान लें.

इस चाय में थोड़ा सा शहद मिलाकर दिन में 2-3 बार पिएं. आप अदरक को अपनी दाल, सब्जी या करी में भी मिला सकते हैं.

3. सरसों का तेल- सरसों का तेल गर्म होता है और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं.

इस्तेमाल करने का तरीका

दर्द वाले जोड़ों पर सरसों के तेल से मालिश करें.

आप तेल में थोड़ी कपूर भी मिला सकते हैं.

मालिश के बाद, गर्म कपड़े से सेंकें.

4. एप्पल साइडर विनेगर-एप्पल साइडर विनेगर में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं.

इस्तेमाल करने का तरीका

1 कप पानी में 1 बड़ा चम्मच एप्पल साइडर विनेगर और थोड़ा सा शहद मिलाएं.

इस मिश्रण को रोजाना सुबह खाली पेट पिएं.

इन बातों का रखें ख्याल

जोड़ों पर ज्यादा दबाव न डालें और ज्यादा आराम करें. ज्यादा वजन जोड़ों पर दबाव डाल सकता है, इसलिए वजन कम करने से दर्द कम हो सकता है.

कब्ज की समस्या से राहत दिलाने में फायदेमंद होते हैं अलसी

अलसी के छोटे-छोटे बीज कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। रोजाना इनका थोड़ी मात्रा में सेवन कई तरह की सेहत संबंधी परेशानियों को दूर कर सकता है। अनहेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल से उपजने वाली बीमारियों में मोटापा, डायबिटीज, हाइपरटेंशन के साथ कब्ज भी बहुत बड़ी समस्या बनती जा रही है। कब्ज को मामूली प्रॉब्लम समझने की गलती न करें। लंबे समय तक अगर यह समस्या बनी रहे, तो इससे पाइल्स और फिशर जैसी बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। इसलिए जितना जल्द हो सके, इसे दूर करें।

अलसी के बीज में मौजूद न्यूट्रिशन

अलसी के बीज फाइबर के अलावा प्रोटीन, पोटैशियम, मैग्नीशियम जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

ऐसे काम करते हैं असली के बीज

अलसी के बीजों में मौजूद फाइबर मल को नरम करता है। यह एक तरह से नेचुरल लैक्सेटिव की तरह काम करता है। पानी के साथ इसमें मौजूद फाइबर मिलकर एक जेल बनाता है और यही मल को ठोस नहीं होने देता।

ऐसे करें अलसी के बीजों को डाइट में शामिल

फ्लैक्स सीड्स या अलसी के बीजों को रोजाना थोड़ी मात्रा में खाने से कई तरह के फायदे मिलते हैं। इससे कब्ज से तो राहत मिलती ही है, साथ ही गैस, एसिडिटी जैसी समस्याएं भी दूर होती हैं। अलसी के बीजों का स्वाद भी ऐसा होता है, जो आपके खाने को स्वादिष्ट ही बनाता है। इसे आप रोटी बनाने वाले आटे, सलाद के ऊपर ड्रेसिंग की तरह, स्मूदी या जूस में ऊपर से डालकर खा सकते हैं।

इसके अलावा इडली, स्प्राउट्स में भी शामिल कर सकते हैं। कच्चा नहीं खा पा रहे हैं तो इसे भूनकर इसका पाउडर भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

अन्य तरीके- सबसे बेस्ट तरीका है, इसे ड्राई रोस्ट कर लें और ऐसे ही एक से दो चम्मच चबाकर खाएं।

कच्चा पपीता खाना है फायदेमंद इसे खाने के चमत्कारी लाभ

पपीता खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। पपीते को सेहत के गुणों का खजाना कहा जाता है, क्योंकि इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को कई बीमारियों से बचाते हैं। पीपते के सेवन से पेट संबंधी बीमारियां जैसे ब्लोटिंग, कब्ज, सूजन आदि की समस्या दूर होती है। इसलिए लोग बेहतर पाचन के लिए पपीते को अपनी डाइट में जरूर शामिल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि पका पपीता जितना फायदेमंद होता है, उतना ही कच्चा पपीता भी सेहत के लिए लाभदायक माना जाता है।

कच्चे पपीता में पपेन नाम का एंजाइम पाया जाता है, जो पाचन क्रिया में सुधार लाता है और पेट की समस्याओं जैसे गैस, सूजन और कब्ज से मुक्ति दिलाता है। कच्चे पपीते में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन-सी की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देते हैं। इसलिए कच्चा पपीता स्किन हेल्थ को बनाए रखने में सहायक होता है। इससे फाइन लाइन्स और झुर्रियों से मुक्ति मिलती है। कच्चे पपीते में पाए जाने वाले एंजाइम्स में सुजनरोधी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर में सूजन को कम करने और गठिया जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक होता है। कच्चे पपीते में हाई फाइबर और बहुत कम कैलोरी पाई जाती है। इसमें मौजूद फाइबर से पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती और इससे आपको वेट लॉस करने में मदद मिलती है। कच्चे पपीते में विटामिन-के की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो, हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए काफी महत्वपूर्ण है। यह कैल्शियम चयापचय में फायदेमंद होता है और हड्डियों के टूटने के जोखिम को कम करता है। कच्चे पपीते में मौजूद विटामिन-ए, सीबम उत्पादन को बढ़ावा देकर बालों के विकास में सहायक होता है। ये बालों को मजबूत बनाने और झड़ने से रोकता है। कच्चे पपीते का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे ये ब्लड शुगर लेवल को नहीं बढ़ने देता है। यही वजह है कि कच्चा पपीता डायबिटीज रोगियों के लिए काफी फायदेमंद होता है। कच्चे पपीते में मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो मांसपेशियों को राहत पहुंचाती है और नर्वस सिस्टम को डैमेज होने से बचाता है। इसके सेवन से स्ट्रेस लेवल को कम करने में भी मदद मिलती है।

कच्चा पपीता खाने से महिलाओं को पीरियड्स के दर्द में आराम मिलता है। पपीता खाने से ऑक्सीटोसिन और प्रोस्टाग्लैंडीन का लेवल हाई होता है जो दर्द को कम करता है। कच्चा पपीता डायबिटीज के मरीज के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। कच्चे पपीता की सब्जी या फिर जूस पीने से शरीर में इन्सुलिन की मात्रा ठीक बनी रहती है। जो लोग डाइट में कच्चा पपीता शामिल करते हैं उन्हें भरपूर फाइबर मिलता है। कच्चा पपीता खाने से कब्ज की समस्या दूर होती है और पाचन क्रिया मजबूत होती है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। विटामिन सी, विटामिन ए और विटामिन बी से भरपूर कच्चा पपीता खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। पपीता में कई मिनरल पाए जाते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और सर्दी-जुखाम की समस्या दूर रहती है।

शिवसेना

उद्धव बाळासाहेब ठाकरे

भगवान जगन्नाथ
आपके जीवन
के सभी कष्ट दूर करें..
शुभ जगन्नाथ नेत्रोत्सव

अशोक तिवारी
राष्ट्रीय संघठक-शिवसेना (उबाठा)

की हार्दिक शुभकामनायें

विनोद कुमार सिंह
राष्ट्रीय संघठक-शिवसेना (उबाठा)

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST

SHREE SAI CLINIC
Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30
Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH,
Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

मानवाधिकार फाउंडेशन
मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)
कानूनी सलाह एवं कानूनी
निपटारे के लिए संपर्क करें
09, विभाको बिल्डिग, मामलेतदार वाडी,
मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

TASK PROTECTION FORCE
सुरक्षा कंपनी में भर्ती के लिए
तत्काल संपर्क करे
सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाईजर, ड्राइवर, बाउंसर, स्वीपर एवं
अन्य कार्य के लिए पासपोर्ट साइज के 07 फोटो, आधार कार्ड,
लिविंग सर्टिफिकेट, अनुभव सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ संपर्क करे ..
Mob. 8850869519 / 9321445870
संपर्क कार्यालय : 09, विभाको बिल्डिग, मामलेतदारवाड़ी मेन रोड नं. 01,
(लिबर्टी गार्डेन रोड), मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064